

ज़ैलेंस्की व ट्रम्प के बीच वाइट हाउस में, अमेरिका के राष्ट्रपति के दफ्तर में हुई झड़प

इस झड़प ने पर्दा उठा दिया, उस किंवदंती पर से कि अमेरिका का राष्ट्रपति विश्व का सबसे सशक्त व्यक्ति है

—अंजन राय—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 1 मार्च। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ैलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच ओवल ऑफिस में हुई खुली झड़प ने इस मिथक से पर्दा उठा दिया है कि अमेरिका का राष्ट्रपति विश्व का सबसे शक्तिशाली व्यक्ति है। यह घटना आधुनिक समय के कूटनीतिक इतिहास में अप्रत्याशित थी। कमजोर, और अपने शक्तिशाली पड़ोसी के साथ निरंतर युद्ध से घायल, यूक्रेन के राष्ट्रपति ने खुद को साहसी व दृढ़ व्यक्तित्व वाले नायक के रूप में दर्शाया। उन्होंने, सबसे शक्तिशाली आदमी द्वारा अपने ही गढ़ में की जा रही दादागिरी का बेधड़क सामना किया और बिना डरे, डटे रहे। संदेश यह था: जब आप बिल्कुल कोने में धकेल दिए जाते हैं, तो आप अमेरिकी राष्ट्रपति से उनके अपने दफ्तर में भी मुकाबला कर सकते हैं।

उनके प्रतिद्वंद्वी, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प रूसियों की एक कठपुतली और रूस की प्रतिक्रिया के संभावित परिणामों से डरने वाले एक कायर के रूप में सामने आए हैं। उनके उपराष्ट्रपति की स्थिति इससे भी बदतर है, वे तो ट्रम्प के हाथ का खिलौना मात्र हैं।

सोचे शब्दों में कहें, तो अमेरिका ने

■ इस झड़प ने यह भी साबित कर दिया कि अमेरिका का राष्ट्रपति, रूस की सरकार की कठपुतली है तथा इस भय से ग्रसित है कि रूस का विरोध करने का क्या परिणाम हो सकते हैं।

■ इस झड़प ने यह भी दिखा दिया, अमेरिका के उपराष्ट्रपति भी, राष्ट्रपति ट्रम्प के मनपसंद खिलौने से ज्यादा महत्व नहीं रखते। हालांकि, प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि यूक्रेन कमजोर हुआ है, पर, अमेरिका की भी कठिनाईयां बढ़ी हैं। अब अमेरिका खुलकर रूस का पक्ष लेने में कुछ हिचकिचायेगा तथा यूक्रेन से औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण खनिजों को प्राप्त करने में इसे भारी जोर आयेगा।

■ यूक्रेन को एक और फायदा यह हुआ कि पूरा यूरोप अब यूक्रेन के समर्थन में खड़ा हो गया है। जबकि, पहले यूक्रेन का साथ देने के प्रश्न पर यूरोप विभाजित सा था, एकमत नहीं था।

एक फायदेवाला सौदा खो दिया है। यूक्रेन के दुर्लभ खनिजों को डबलप करना और शेयर करना अमेरिका के उद्योगों और रक्षा क्षेत्र के लिए एक भारी एपीमेंट है। ऐसा लग रहा है कि अमेरिका को एक बार फिर इन खनिजों को सुरक्षित करने के लिए बातचीत शुरू करनी पड़ेगी।

यदि सतह पर देखा जाए, तो यूक्रेन ने रूस की आक्रामकता के खिलाफ

अपनी लड़ाई में अमेरिकी समर्थन खो दिया है, लेकिन, दूसरी तरफ, रूस के राष्ट्रपति और तानाशाह, क्लादिमिर पुतिन के सामने झुकना अमेरिका के राष्ट्रपति के लिए और भी अधिक कठिन काम होगा।

रूस के लोगों ने जहाँ अपने सबसे जुझारू प्रतिद्वंद्वी को स्पष्ट अपमानजनक हार का जश्न मनाया होगा, वहीं, उन्हें यह

समझना चाहिए कि जल्द ही उन्हें एक और भी अधिक दुष्कर समस्या का सामना करना पड़ेगा। क्योंकि अपनी साक्ष साबित करने के लिए अब अमेरिका, रूस की पूरी तरह से अधीनता नहीं कर पाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति और उनके सहयोगियों के व्यवहार ने पूरे पश्चिमी यूरोप को यूक्रेन का खुले तौर पर समर्थन करने के लिए बाध्य किया था। यहाँ तक कि इटली की प्रधानमंत्री, ज्योर्जिया मेलेनी, जो यूक्रेन को समर्थन देने को लेकर खास उत्साहित नहीं थीं, ने भी अपना रुख बदल लिया।

अब पूरा यूरोप यूक्रेन का समर्थन करने और उसके पीछे खड़ा होने के लिए एकजुट हो रहा है, जबकि, अब तक इस मुद्दे पर यूरोप बंटा हुआ था। तथापि, अभी भी कुछ अपवाद हो सकते हैं, जैसे हंगरी, जो हाल तक यूक्रेन का समर्थन करने के खिलाफ था। हालांकि, ऐसे देशों की आवाज, अन्य देशों द्वारा अमेरिका के रुख की सख्त आलोचना और यूक्रेन के समर्थन की आवाज में दब जाएगी।

यह होना तय था। चुनाव में अपनी पुनः जीत के बाद से, डॉनल्ड ट्रंप अधिक से अधिक घमंडी होते जा रहे थे। फ्रांस के राष्ट्रपति, इमैनुएल मैक्रॉन के साथ अपनी संयुक्त प्रैस कॉन्फ्रेंस में, डॉनल्ड (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के बकाया वेतन पर हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया

जयपुर, 1 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट ने महुआ नगर पालिका के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का पन्द्रह महीने का बकाया वेतन 15 दिन में देने के आदेश दिए हैं। ऐसा नहीं करने पर अदालत ने पंचायती राज आयुक्त, स्थानीय निकाय निदेशक और नगर पालिका के कार्यकारी अधिकारी का वेतन रोकने को कहा है। अदालत ने यह भी कहा कि यदि प्रमुख स्वायत्त शासन सचिव आदेश को पालना में फेल हुए तो मुख्य सचिव को निर्देश दिए जाते हैं कि वे प्रमुख स्वायत्त शासन सचिव का वेतन रोक लें। जस्टिस अनूप

■ आदेश में 15 माह का बकाया वेतन 15 दिन में नहीं देने पर पंचायती राज आयुक्त, स्थानीय निकाय निदेशक व महवा नगर पालिका के कर्मचारी अधिकारी का वेतन रोकने के निर्देश दिये गये हैं।

कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश संतराम शर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता केपी सिंह ने कहा कि अदालत ने गत 18 फरवरी को राज्य सरकार को आखिरी मौका देते हुए पूछा था कि याचिकाकर्ता का बकाया वेतन क्यों रोका गया है। इस पर सरकारी वकील ने इस संबंध में दिशा-निर्देश प्राप्त (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कर्नाटक के मु.मंत्री सिद्धारमैया ने केन्द्रीय सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरने की धमकी दी

सिद्धारमैया के अनुसार, केन्द्रीय सरकार कर्नाटक का हिस्सा 41 प्रतिशत से घटाकर 40 प्रतिशत करने की तैयारी में है, वित्त आयोग की मदद से

—लक्ष्मण बैंकट कुची—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—

नई दिल्ली, 1 मार्च। कर्नाटक के मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया भी केन्द्र सरकार और उसके विभिन्न कथित “राज्य-विरोधी” निर्णयों के खिलाफ आक्रामक हो गये हैं। उन्होंने परिसीमन की कवायद पर कड़ा प्रहार करते हुये कहा कि इसे दक्षिण भारतीय राज्यों पर थोपा जा रहा है। शनिवार को मुख्यमंत्री ने “एक्स” पर डाली अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि केन्द्र सरकार का रुख राज्य-विरोधी है तथा उसके निर्णय टैक्स और विकास फंड्स के मामलों में कर्नाटक को उसके वाजिब हिस्से से वंचित कर रहे हैं। अगर ऐसा हुआ तो वे राज्य की जनता के अधिकारों को खातिर लड़ाई के लिए सड़कों पर उतर आयेगे।

सिद्धारमैया ने टैक्स रेबन्स के कर्नाटक के आधिकारिक हिस्से को और भी कम करने की केन्द्र सरकार को कोशिशों की कड़ी आलोचना की और कहा, “अगर अपील और बातचीत निष्फल रहती है तो हम सड़कों पर उतरने तथा लोगों के साथ

■ सिद्धारमैया की यह शिकायत है कि “डीलिमिटेशन” से केन्द्रीय सरकार दक्षिण भारत के राज्यों की सीटें व राजनीतिक प्रभाव कम करेगी।

■ अगर, केन्द्रीय सरकार ने अपना रुकैया नहीं बदला तो, कर्नाटक के हितों की रक्षा के लिए, मु.मंत्री स्वयं सड़क पर उतरेंगे।

आकर लड़ने में नहीं हिचकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा, “यह केवल कर्नाटक विरोधी ही नहीं, बल्कि संविधान में प्रतिष्ठापित (देश के) संघीय ढाँचे पर भी सीधा हमला है।” उन्होंने कुछ रिपोर्टों का हवाला दिया, जो यह संकेत देती हैं कि केन्द्र सरकार, वित्त आयोग के माध्यम से, कर्नाटक के हिस्से को 41 प्रतिशत से 40 प्रतिशत करने की सिफारिश कराने की तैयारी कर रही है।

सिद्धारमैया ने आरोप लगाया, “जब से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, केन्द्र की नीतियाँ राज्यों के संवैधानिक अधिकारों में लगातार कटौती करती आ रही हैं तथा उन्हें कमजोर करती आ रही हैं।”

सिद्धारमैया ने केन्द्र की इन कोशिशों में परिसीमन की कवायद को भी जोड़ दिया तथा दक्षिण भारत में लोकसभा सदस्यों की संख्या कम करने के केन्द्र सरकार के प्रयासों की भर्त्सना की। उन्होंने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इन दावों को विश्वास के योग्य नहीं माना कि परिसीमन में दक्षिण भारत के किसी भी राज्य की एक भी सीट कम नहीं होगी।

सिद्धारमैया ने कहा कि दक्षिण भारत की सीटें तो कम होंगी ही, इसके साथ ही, उत्तरी भारत की सीटों में बड़ी मात्रा में वृद्धि भी होगी। इस प्रकार, उत्तरी भारत लोकसभा में तथा इसके फलस्वरूप, केन्द्र सरकार के निर्माण में ज्यादा ताकतवर हो जायेगा।

प्र.मंत्री ने सूफी मुसलमानों की तरफ मित्रता का हाथ बढ़ाया

—नरिन्द्र झा—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 1 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा भाजपा ने, पसमन्दाओं के बाद, अब सूफी मुस्लिमों तक पहुँच बनाने की योजना शुरू कर दी है। इस प्रयास का उद्देश्य भाजपा को इस रूप में स्थापित करना है कि यह पार्टी भारत के सभी वर्गों और समुदायों का प्रतिनिधित्व करती है।

नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 वर्षों में, भाजपा ने स्वयं को बहुसंख्यक हिन्दू समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाली पार्टी के रूप में तो प्रस्तुत किया ही है, लेकिन इसके साथ ही, उसने स्वयं को मुस्लिमों सहित, अन्य समुदायों तक पहुँच रखने वाली पार्टी के रूप में भी पेश किया है। तीन तलक जैसे निर्णयों के जरिये, भाजपा मुस्लिम महिलाओं को प्रभावित करने की कोशिश करती रही है। पसमन्दा मुस्लिमों के पक्ष में अभियान चला कर, पार्टी ने दो उद्देश्यों की पूर्ति की कोशिश की है— पहला, अभिजात्य मुस्लिमों और दलित पसमन्दाओं के बीच एक पाला खींचना, और दूसरा, यह

■ तेरहवीं शताब्दी के जाने-माने सूफी कवि व संगीतकार अमीर खुसरौ की स्मृति में मनाये जा रहे, जहान-ए-खुसरौ प्रोग्राम में मोदी ने अपनी अभिभाषण में यह जताया कि सूफी दर्शन काफी कुछ “वसुधैव कुटुम्बकम् सिद्धांत” पर आधारित है।

विचार देना कि जाति व्यवस्था केवल हिन्दू समाज में ही नहीं है।

शुरूवार को दिल्ली में “जहान-खुसरौ” के 25वें संस्करण को सम्बोधित करते हुये प्रधानमंत्री मोदी ने सूफी परम्परा की जबरदस्त तारीफ की। इस अवसर पर बोलते हुये उन्होंने तेरहवीं शताब्दी के कवि और संगीतज्ञ अमीर खुसरौ के व्यक्तित्व और कृतित्व की भूरि-भूरि प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने सूफियों की बहुलवादी परम्पराओं का विशेष रूप से जिक्र किया तथा कहा कि जहाँ वे इस्लाम के अनुयायी थे, वहीं, सूफी सन्त हिन्दू देवी-देवताओं, जैसे भगवान कृष्ण, के प्रति अपूर्व श्रद्धा रखते थे। उन्होंने याद दिलाया कि जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे, उन्होंने अहमदाबाद की एक सूफी मस्जिद एवं

मकबरा परिसर का किस तरह से पुनरोद्धार कराया था।

उन्होंने कहा कि सूफी सन्त पवित्र कुरान तो पढ़ते ही थे, वे वेदों को भी सुनते थे। उन्होंने कहा, यह “वसुधैव कुटुम्बकम्” जैसी बात ही तो है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा, “सूफीवाद भारतीय संस्कृति का हिस्सा है तथा यह मतान्धता का सामना तथा शान्ति को प्रोत्साहित कर सकता है। सूफीवाद का उद्देश्य मानव और ईश्वर के बीच सीधा सम्पर्क कायम करना है। ईश्वर, अल्लाह, राम, कृष्ण, ईसा या वाहे गुरु के विभिन्न रूपों में पूज्य है।”

भाजपा का सूफी-सम्पर्क 2024 के संसदीय चुनावों से पहले ही शुरू हो (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

समय पर फ्लैट नहीं देने पर 5.20 लाख रूपए का हर्जाना

जयपुर, 1 मार्च। जिला उपभोक्ता आयोग, द्वितीय ने तय समय में फ्लैट का कब्जा नहीं देने पर बिल्डर मैसर्स सिद्धा इंफ्रा प्रोजेक्ट प्रा. लि. व अन्य पर 5.20 लाख रूपए का हर्जाना लगाया है। इसके साथ ही, आयोग ने परिवारी की ओर से जमा कराई गई राशि सहित, कुल 36.58 लाख रूपए की राशि नौ फीसदी ब्याज सहित लौटाने को कहा है। आयोग के अध्यक्ष ग्यारसी लाल मीणा और

■ जिला उपभोक्ता आयोग द्वितीय ने सिद्धा इंफ्रा प्रोजेक्ट्स प्रा. लि. पर यह हर्जाना लगाया।

सदस्य हेमलता अग्रवाल ने यह आदेश पवन चौड़ा व अन्य के परिवाद पर दिए। परिवार में कहा गया कि परिवारी ने बिल्डर सिद्धा इंफ्रा प्रोजेक्ट्स प्रा. लि. के अजमेर रोड स्थित प्रोजेक्ट सिद्धा आंगन फेज-2 में बन रहे आवासीय अपार्टमेंट मयूर योजना में एक फ्लैट खरीदा था। उसने बिल्डर के साथ 17 सितम्बर, 2018 को एक करार किया (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘आप इस स्थिति में नहीं हैं कि हमें निर्देश दे सकें’

ट्रम्प ने धमकाते हुए ज़ैलेंस्की से कहा, और इसके थोड़ी देर बाद यूक्रेन के प्रतिनिधि मंडल को वाइट हाउस से जाने के लिए कहा गया तथा राष्ट्रपति ट्रम्प का भोज अछूता धरा का धरा रह गया

—डॉ. सतीश मिश्रा—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 1 मार्च। यू.एस. प्रेसिडेंट—डॉनल्ड ट्रंप और उनके यूक्रेनी समकक्ष वोलोदिमिर ज़ैलेंस्की के बीच झड़प ऐसी घटना है, जिस पर दंतकथाएं बना करती हैं।

कई लोग जहाँ इसे यूक्रेनियन प्रेसिडेंट का मूर्खतापूर्ण व्यवहार मानेंगे, वहीं, ज़ैलेंस्की के देश के लोग इसे बहादुरी मानेंगे। इसका एक उदाहरण भारत में मिल सकता है महाराणा राणा प्रताप द्वारा मुगलों की शक्ति के खिलाफ खड़ा होना। “जिसकी लाठी उसकी भैंस” यह उक्ति सदा सही नहीं होती।

■ वाइट हाउस में, अमेरिका के राष्ट्रपति के दफ्तर में, दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच बातचीत ठीक-ठाक चल रही थी, पर, उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने बीच में पूर्व राष्ट्रपति बाइडन को कोसना शुरू कर दिया और बातचीत की लय बदल सी गई और फिर स्थिति को कोई संभाल नहीं पाया।

शक्तिशाली के आगे नहीं झुकना या डेविड और गोलयाथ की कहानी, कुछ ऐसी समानताएं व उदाहरण हैं, जो रूस के साथ युद्ध कर रहे ज़ैलेंस्की के देश में दी जाएंगी।

दोनों के बीच मीटिंग की शुरुआत मुस्कुराहट और हाथ मिलाने से हुई, पर

मीटिंग कुछ ही मिनटों में झड़प में बदल गई, जो भी विश्व के मीडिया के सामने, जो वाइट हाउस में मौजूद था। यहाँ मीटिंग और उन शब्दों की एक झलक प्रस्तुत है, जो आम आदमी को घटना की वास्तविक तस्वीर उपलब्ध करा सकती है।

ट्रम्प ने ऊँची आवाज में ज़ैलेंस्की

से कहा, आप इस स्थिति में नहीं हैं कि हमें निर्देश दे सकें। इसके बाद यूक्रेन का डेलिगेशन वाइट हाउस से चला गया।

मीटिंग सही टैक पर थी, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इसे उकसाया। उन्होंने रूस—यूक्रेन वॉर के समाधान के लिए कूटनीति की आवश्यकता पर जोर दिया। वेंस ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की आलोचना की।

एक पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए वेंस ने कहा, हमने जो बाइडन के रस्ते पर चलने की कोशिश की, छाती ठोक कर यह बताने का प्रयास किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति के शब्द अमेरिका (शेष अंतिम पृष्ठ पर)



योग ग्राम व निरामयम्

एलोपैथिक डॉक्टरों के लिए होली तक उपचार का विशेष उपहार

MD, MBBS, सर्जन, डेंटिस्ट, डर्माटोलॉजिस्ट, ENT, ओफ्थाल्मोलॉजिस्ट, आर्थोपेडिक, गाइनीकॉलॉजिस्ट, कार्डियोलॉजिस्ट ऐसे एलोपैथी डॉक्टरों के लिए पतंजलि वेलनेस, निरामयम् व योगग्राम में स्पेशल डिस्काउन्ट।

सेवारत डॉक्टरों के लिए 50% की छूट **सेवानिवृत्त डॉक्टरों के लिए 100% मुफ्त**

जिनसे मानवता का हित, उनके लिए हम समर्पित

रोगों से पीड़ित, मानवता की सेवा में लगे डॉक्टरों को सनातन संस्कृति में हम भगवान स्वयं मानते हैं परन्तु हृदय को पीड़ा देने वाली वेदना यह है कि रोगियों की सेवा करते-करते डॉक्टरों की रोगी हो जाते हैं। अति व्यस्तताओं के चलते हेल्थी लाइफस्टाइल, योग, हेल्थी फूड हैबिट्स को फॉलो ना कर पाने के कारण से वे बीपी, थायरॉइड, सुगर, अस्थमा, लीवर, किडनी, हार्ट प्रॉब्लम्स, सर्वाङ्कल पेन और ओबेसिटी जैसे रोग चक्र में घिर जाते हैं।

हम अत्यन्त स्नेह, सम्मान व करुणा पूर्वक सभी डॉक्टरों को पतंजलि वेलनेस, योगग्राम, निरामयम् में आमंत्रित करते हैं

इस आश्वासन के साथ कि हम वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ, इनकी सभी लाइफस्टाइल और इन्क्यूरेबल डिजीजेज को मैनेज करें और रिवर्स व डीक्रेट करें एवं पंचकर्म, षट्कर्म के द्वारा वे शुद्धिकरण करें। जो समर्थ हैं उनको भी 50% डिस्काउन्ट करके, एक-एक व्यक्ति को प्रतिदिन 10 थैरेपियां देते हैं जो कि 5 से 10 हजार रूपए (वैल्यू) की होती हैं। प्रतिदिन शिरोधारा, अम्यंग, बाधा एवं आंतरिक बस्ती, हाइड्रोथैरेपी, कोलोन थैरेपी, श्रृंगी, वात मोक्षण, रक्त मोक्षण, एक्यूपंचर, एक्यूपेशर, ओजोन थैरेपी, यज्ञ थैरेपी एवं ऐसी अनेक रोगानुसार थैरेपीज द्वारा डिटेक्टिव करें और त्रथियों की योग, आयुर्वेद की विचारसत को एक्सपीरियंस करें।

विशेष— जो गवर्नमेंट या प्राइवेट जाँब के बाद रिटायर्ड डॉक्टर हैं एवं जिनके पास आर्थिक संसाधन नहीं है उनके लिए योग, आयुर्वेद, पंचकर्म, षट्कर्म का 100% फ्री ट्रीटमेंट उपलब्ध करवा कर के हम उनकी सेवा का सौभाग्य पाना चाहते हैं।

नोट— टाईप 1 डायबिटीज, लीवर, किडनी फेलियर, कैंसर, ऑटो इम्यून डिजीजेज के पेशेठे के लिए 25% off (डिस्काउन्ट) केवल माचं महीने में उपलब्ध रहेगा।

पतंजलि वेलनेस में साप्ताहिक उपचार व रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें

8954666111, 8954666222, 8954666333 (कॉल करने का समय प्रातः 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक) या विजिट करें: www.patanjaliwellness.com | booking@patanjaliwellness.com

यदि आप ऑनलाइन पेमेंट करना नहीं जानते हैं, तो यहाँ सीधे आकर डायरेक्ट रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

विचार बिन्दु

प्रकृति ईश्वर का प्रकट रूप है, कला मानुष्य का। —लांगफैलो

आयुर्वेद की वसंत ऋतुचर्या

एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि आयुर्वेद में ऋतुचर्या किन सिद्धांतों को ध्यान में रखकर तय की गयी होगी? लगभग 5000 साल पहले तय की गयी ऋतुचर्या क्या आज भी उपयोगी है? पहली बात यह है आयुर्वेद का लोक-पुरुष-साम्य सिद्धांत यह स्पष्ट करता है कि पुरुषलोक के समान है (च.शा.5.3:पुरुषोऽयं लोकसम्मितः) इस सिद्धांत के प्रकाश में देखने पर लोक या पृथ्वी के वातावरण का सीधा-सीधा प्रभाव मानव के स्वास्थ्य पर पड़ता है क्योंकि लोक और पुरुष में समानता (च.शा.5.3:लोकपुरुषयोः सामान्यम्) होने से सामान्य-विशेष का सिद्धांत कार्य करता है। अर्थात् सामान भावों को सामान भावों से मिलाने पर उस भाव की वृद्धि और असमान भावों को मिलाने पर ह्रास होता है। सत्य बुद्धि तभी प्रकट होती है जब स्वयं के अंदर प्रकृति को व प्रकृति के अंदर स्वयं को देखा जाये (च.शा.5.7): सर्वलोकामन्यात्मानं च सर्वलोक सममनुपपश्यतः सत्या बुद्धिः समुत्पद्यते। यहाँ पर लोक से तात्पर्य पूरी दुनिया के वातावरण से है जिसमें छः धातुएँ पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश तथा आत्मा शामिल हैं (च.शा.5.7): षड्धातुसमुदायो हि सामान्यतः सर्वलोकः। इस सूची में आत्मा का शामिल होना आश्चर्यजनक नहीं मानना चाहिये क्योंकि पौधे, प्राणी और सम्पूर्ण जीवन भी लोक में शामिल हैं। जिस प्रकार चंद्रमा, सूर्य, और वायु क्रम से विराम, आदान, विक्षेप क्रियाओं से जनत का धारण करते हैं, ठीक उसी प्रकार सोमांस कफ, सूर्य जैसा पित्त, तथा वायु देह का धारण करते हैं (सु.सू.21.8): विरामोदानविक्षेपः सोमसूर्यानाला यथा। धारयन्ति जगद्देहं कफपित्तान्नालास्तथा।

इन आयुर्वेदिक सिद्धांतों को आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाये तो पर्यावरण और पारिस्थिक तंत्र के साथ मानव के रिश्तों की अनवरत सार-संभाल या अनुकूलन ही ऋतुचर्या है। इसे साधारण शब्दों में यों समझें कि यदि हवा, पानी, तापक्रम, मिट्टी, पेड़-पौधों में ऋतु के अनुसार परिवर्तन होते हैं तो हमें भी उसके अनुसार जीवन-शैली और खान-पान और पहनावे में परिवर्तन करना पड़ता है। यह परिवर्तन या अनुकूलन ही धातुसाम्य रखता है। यही अनागत रोगों का प्रतिकार या विकार-अनुत्पत्ति में सहायक है।

आयुर्वेद में वसंत ऋतुचर्या का बड़ा रोजक वर्णन है जो आधुनिक आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टि से बहुत साम्यता रखता है। वनों और उपवनों में जहाँ ठण्डी हवा, जल से भरे हुये तालाब, विविध प्रकार की जैव-विविधता वाले पुष्प-वृक्षों की प्रजातियाँ एवं विविध प्रजातियों के पक्षियों की कलवर ध्वनि हो, वहाँ साम्य बिताने के लिये वसन्त ऋतु सर्वोत्तम है। आधुनिक वैज्ञानिक शोध में उपवन, ग्रीन स्पेस, पार्क या गार्डन्स के स्वास्थ्योपयोगी प्रभाव पर पूरी दुनिया में बहुत शोध हुये हैं। प्राकृतिक-तन्त्रों, वनों एवं जैव विविधता क्षेत्रों में स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर सबसे प्राचीन निष्कर्ष चरकसंहिता, सुश्रुतसंहिता और अष्टांगहृदय में उपलब्ध है।

आइये चरकसंहिता में वसंत की आरोग्यदायी ऋतुचर्या का वर्णन देखते हैं: सन्दर्भ (च.सू.6.22-26): वसन्ते निश्चितः श्लेष्मादिनक्रुद्धाभिरीरुतः। कार्याग्निं बाधते रोगास्तितः प्रकुरुते बद्धम्। तस्माद्वासने कर्माणि वमनादीनि कारयेत्। गुर्वस्त्वस्निग्धमधुं दिवास्वन्नं च वर्जयेत्। व्यायामोद्धर्तनं धूमं कवलप्रशमनम्। सुखाब्जना शौचविधिं शीलयेत् कुसुमगामे। चन्दनागुदुर्दिग्धाड्यो यवगोधूमभोजनः। शारधं शक्यमैश्यां मांसं लावकपिण्डलम्। भक्षयेन्निरंद्र-सौधुं पिबेन्मातृकीमेव वा। वसन्तेऽनुभवत् स्त्रीणां काननानां च यौवनम्। तात्पर्य यह है किहेमन्त तथा शिशिर ऋतु में शरीर में संचित कफ, वसन्त ऋतु में सूर्य की गर्मी से कुपित होकर, जाटयानि को बाधित करता है। जिसके कारण कफज व्याधिषु उत्पन्न हो सकती हैं। अतः कफ को निकालने के लिये वसन्त ऋतु में शिरोचिरेचन, वमन, कवल-घाना आदि का प्रयोग करना स्वास्थ्य के लिये लाभकारी रहता है। इसके साथ ही उबन्त, गुनगुने धारा का प्रयोग, उद्यानों एवं वनों में घूमना, पैदल चलना तथा शारीरिक व्यायाम भी वसन्ती-ऋतुचर्या के उपयोगी आयाम हैं। पुष्पित पल्लवित वनों में इनका अद्भुत भेदा लेना चाहिये।

वसन्त ऋतु में बहुत मीठा, स्निग्ध, अम्ल, देर से पचने वाले गुरु आहार तथा दिन में सोना ठीक नहीं रहता। इसका मूल कारण यह है कि हेमन्त और शिशिर ऋतु में संचित कफ अपने आप में एक समस्या है, और यदि कफ वृद्धि करने वाले ये सभी कार्य किये जायें तो आगे चलकर बीमार होने की आशंका रहती है।

वसन्त ऋतु में खाद्य पदार्थ के रूप में सबसे उत्तम जौ, गेहूँ, शहद, ईख, अंगूर आदि उत्तम हैं। आवश्यकतानुसार वैद्यों की सलाह से अंगूर या महवा से बने हुये स्वच्छ औषधीय-आसव व अरिष्ट वसन्त ऋतु में लिये जा सकते हैं। साठो के चावल, शीत द्रव्य, मूंग, निवारी के चावल, कोदो तथा मूंग की दाल के सूप, गेहान, पटोल आदि तिक्त रस वाले द्रव्यों का उपयोग उत्तम रहता है। वसन्त ऋतु में तीक्ष्ण, रुक्ष, कटु, क्षार, कषाय रस वाले पदार्थों में जौ, मूंग और मधु मिलाकर भोजन के रूप में लेना उपयोगी है।

वसंत ऋतु में बासंतिक वमन या वैद्य की सलाह से अगर आवश्यक हो तो पंचकर्म भी लिया जा सकता है। ताम्रम रोगों के विरुद्ध पंचकर्म और इसकी घटक क्रियाओं की विशाल प्रयोज्यता और उपयोगिता है। जब रोगों के उपचार या स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की बात आती है, तो आयुर्वेदिक पंचकर्म के टकरकी और कोई विधि नहीं है।

सभ्यताओं के विनाश काल में भी, अगर आदमी मौत के मुंह में जाने का काम ही न कर रहा हो, तो पंचकर्म सबसे दुरुस्त चिकित्सा है (च.वि.3.13): येषां न मृत्युसामान्यं सामान्यं न च कर्मणाम्। कर्म पञ्चवर्धं तेषां भेषजं परमुच्यते। वसंत ऋतु में आप पंचकर्म या ऋतुचर्या के अनुसार कम से कम पंचकर्म का एक घटक-वमन-के प्रयोग के बारे में सोच सकते हैं। पर आपको अपने आयुर्वेदाचार्य से सलाह लेकर यह तय करना होगा कि क्या आपको सचमुच पंचकर्म की आवश्यकता है या नहीं। पंचकर्म से स्वास्थ्य को यथावत बनाये रखने और उग्र-आधारित रोग-जनन को दूर रखने में मदद मिलेगी।

पंचकर्म वैसे तो शारीरिक-मानसिक शोधन और रोग शमन दोनों में मददगार है, पर पहली बात यह है कि यदि आप बार-बार बीमार होकर दवाओं में अपना धन नष्ट नहीं करना चाहते, तो पंचकर्म उपयोगी है। बीमारी में धन की बर्बादी के साथ जो शारीरिक-मानसिक पचड़ा-पेशानी होती है वह तो अतिरिक्त है। अतः सदैव स्वस्थ बने रहने के लिये साल में एक बार पंचकर्म करना सबसे उपयुक्त है।

दूसरी बात यह है कि सभ्य चिकित्सा इकाई में कोई नहीं भरना चाहता। दीर्घ-काल तक, या कहिये जीवन के अंतिम दिन तक, स्वस्थ रहना है तो आयुर्वेद के रसायन बड़ी मदद करते हैं। पर बिना शोधन क्रिया करारे रसायनों को लेने का मतलब वैसा ही है जैसा पुराने कान्बल को रंगाना। रसायन उग्र-आधारित रोग-जनन रोकने या दर्द-निवारण में तभी सक्षम होते हैं जब पहले शोधन कार्या जायें। नियमानुसार पंचकर्म, रसायन और वाजीकर का प्रयोग करने से धातुसाम्य बना रहता है, रोग नहीं होते, धातुएँ बढ़ती हैं इसलिये बूढ़े होने की गति धीमी हो जाती है (च.सू.7.48-49): यथाकर्म यथायोग्यत ऊर्ध्वं प्रयोज्येता रसायनानि सिद्धानि वृष्ययोगांश्च कालवित्। रोगास्तथा न जायन्ते प्रकृतिस्थेषु धातुषु। धातवश्चभिषर्धन्ते जरा मान्यमुपैति च।

तीसरी बात यह है कि वैसे तो पंचकर्म की कुछ क्रियाएँ दिनचर्या और ऋतुचर्या का अंग हैं, पर हम प्रायः उन्हें भुला देते हैं। जीवन भागदड़ हो गया है। जीवनशैली त्रिदोष-भडकाऊ हो गयी है। प्रज्ञापरक और असत्यचिन्त्रियाँ संयोग हमारी आदत हो गये हैं। हमारा समय त्रिदोष-भडकाऊ काल है। ऐसी स्थिति में अनेक रोगों की रोगों की शुरुआती अवस्था दिखने लगती है, तब होश आता है कि पंचकर्म तो हमारे लिये ही है।

ऋतुचर्या में पंचकर्म की क्रियाएँ तो उपयोगी हैं ही, पर साथ ही आयुर्वेद का सिद्धांत यह है कि बहुदोष के लक्षण दिखें तो समझिये पंचकर्म की आवश्यकता निश्चित रूप से है। तात्पर्य यह समझिये कि अपच, आहार-अरुचि, मोटापा, पांडुता, भारीपन, थकावट, पिंडका कोठ और कंडू (तरह तरह की फुंसियाँ), सन्ध, अरति, आलस, श्रम, कमजोरी, शारीरिक दुर्बल्य, अवसाद, कफ व पित्त का भडकना (उत्कलेश), नैद उड जाना या खूब नींद आना, तन्द्रा (अनीदामन या हमेशा आँधते रहना), क्लैश्य, अबुद्धि की स्थिति, उल्टे-पुल्टे सपने आना, और पौष्टिक आहार लेते रहने के बावजूद बल और रंग उडना बहुदोष के लक्षण हैं। ऐसे लोगों के लिये पंचकर्म या संशोधन हितकारी होता है। अनुभवों और कुशल चिकित्सक रोगी के दोष स्थिति व बल को समझकर चिकित्सा की सलाह देगा व शोधन कार्यागम (च.सू.16.13-16): अविषाकोऽरुचिः स्त्रील्यं पाण्डुता गौरवं क्लमः। पिंडकाकोठकण्डूनां सम्भ्रवोऽरतिरेव च। आलस्यश्रमदौर्बल्यं दौर्गन्ध्यमवसादकः। श्लेष्मापित्तसमुत्कलेशो मिद्रानाशोऽतिनिद्रता। तन्द्रा क्लैश्यमबुद्धिक्लमशस्वन्नपदर्शनम्। बलवर्णप्रणशश्च तृप्यते बृंहणीपित्तम्। बहुदोषस्य लिङ्गानि तस्मै संशोधनं हितम्। ऊर्ध्वं चैवानुसृतं च यथादोषं यथाबलम्।

जैसा कि पहले भी मैंने लिखा है, जीवन और मृत्यु के मध्य सत रक्षा दीवारें हैं: आहार, विहार, सद्गुण, स्वस्थवृत्त, पंचकर्म, रसायन/वाजीकर, औषधि। इनमें से शुरू की छः दीवारें स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य-रक्षण में मदद करती हैं। और सभी सात दीवारें या सुरक्षा कवच मिलकर रोगी को स्वस्थ करने में मदद करती हैं। जब आहार, विहार, सद्गुण व स्वस्थवृत्त की सुरक्षा दीवार को ठीक से प्रतिदिन न समझला गया हो तो पंचकर्म की जरूरत पड़ जाती है। इसके बाद, जीवन और मृत्यु के बीच रसायन और औषधि की दीवारें ही शेष बचती हैं।

वसंत ऋतु में मौसमी और वायुरल बीमारियों का भी प्रकोप अब प्रायः दिखाई पड़ता है। इनसे बचने के लिये वैद्यों की सलाह से हल्दी, तुलसी, आमलकी, शूठी, कालीमिर्च, पिप्पली, लहसुन, पुदीना, त्रिकटु, त्रिफला, गुडूची, कालमेघ, चिरायता, वासा, शिठू या सहजन्, यष्टिमधु, बिभीतकी, अश्वगंधा, हरीतकी, मुस्ता, पाठा, पुनर्नवा आदि युक्तिपूर्वक लिये जा सकते हैं। परन्तु ध्यान यह रखना है कि कोई भी औषधि वैद्य की सलाह के बिना नहीं लें।

ऋतुचर्या पालन वस्तुतः एक आरोग्यदायी युक्ति है। इस सन्दर्भ में चरकसंहिता का एक संवाद देखिये: "भावनु! क्या लोगों की आयु निश्चित होती है या नहीं (किन्तु खलु भगवन्! नियतकालप्रमाणमायुः सर्वं न ति)?" अनिवेश न पूछा। भगवान्अनेके का उत्तर यहथा: "अनिवेश! समस्त प्राणियों की आयु युक्ति की अपेक्षा करती है (इहानिवेश! भूतानामायुर्विक्रमपेक्षते)।" यहाँसन्देश यह है कि मृत्यु की तिथि तय नहीं है। आयु युक्ति की अपेक्षा करती है। युक्ति से आप स्वस्थ रह सकते हैं। युक्ति से आपकी आयु बढ़ाई जा सकती है। युक्तिपूर्वक वसंत ऋतुचर्या से आनंद लीजिये और स्वस्थ रहिये।

—अतिथि सम्पादक,

डॉ. दीप नारायण पाण्डेय

(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर। (यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सर्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

अभद्र भाषा का व्यापार : नोटों की बरसात – सरकार बेखबर



राजेन्द्र मोहन शर्मा

हमारी सामाजिक परम्परा में गालियों का बहुत पुराना इतिहास है। ये एक जरिया भी है जिससे मानव मन के भीतर जमा हुआ गुस्सा, हताशा और अवसाद फूटकर बाहर निकलता है। यानि कि गालियाँ हमारे जीवन की 'सेप्टी वाल्व' होती हैं, जो प्रेशर कुकर में बनी भाप को बाहर निकाल देती हैं और मानवीय धैर्य के कुकर को विस्फोट होने से बचाती हैं। कहते हैं यदि समाज से गालियाँ हटा दी जाएँ, तो समाज बीमार हो जाएगा। कह सकते हैं कि गालियों से ही समाज में स्वस्थ चित्त का निर्माण होता है। फिर, गाली क्या है? कुल जमा कुछ शब्दों का जोड़ ही तो है गाली। बिजली गुल होती है, तो लोग गाली पुराण का पाठ शुरू करते हैं कि इन बिजली वालों ने फिर लाइट गायब की... इनकी... उनकी... नहाते हुए अंगर नल का पानी चला जाए, तो फिर गालियों का डोज दूनी ही तेजी से निकलता है। बात गाली पर हो और शर्त यह कि वह शालीनता की सीमा से बाहर न जाए, यह नट के डोर पर चलने जैसा है। गाली वैचारिक लिहाज से अपनी तारकत दिखाने का जरिया भी है। आपका यह उद्देश्य तभी पूरा हो सकता है, अगर गाली सुनने वाले को बुरी भी लगे। गालियों से हमें यह भी मालूम पड़ता है कि हमारे समाज में किस चीज को बुरा माना जाता है। झगड़े की स्थिति में गाली एक रास्ता देती है। आप बजाए मारा-पीटी करने के, मुँह से कुछ कहकर अपनी नाराजगी व्यक्त कर सकते हैं। यानि गाली लड़ाई का अहंकार तरीका भी है। अधिकतर गालियाँ यौन अंगों

और यौन सम्बंधों से जुड़ी हुई हैं। हमारी अधिकतर गालियाँ स्त्रियों की बात करती हैं। यानि आप का झगड़ा किसी से भी हो, गाली में अवसर उसकी मां या बहन को ही पुकारा जाता है। यह स्थिति हमारे समाज में महिलाओं के प्रति बीमार मानसिकता का बोध कराती है। अगर नीयत साफ हो, तो गालियाँ जीवत संस्कृति का प्रतीक भी बनती हैं। जैसे देश में हर दस कोस पर पानी और भाषा बदल जाती है, वैसे ही गालियों का भी व्याकरण बदलता है।

पहले परंपराओं में ये गाली एक समय विशेष के खांचे में बंधी रहती थी, पर यहाँ तो ये सिलसिला अंतहीन हो गया। अब तो गाली शास्त्रार्थ रुकने का नाम ही नहीं लेता है। गाली पहले इन्सानि प्रवृत्तियों के लिए अनुमत्य थी। पर अब यह व्यक्तियों को दी जाने लगी है। वह भी सिर्फ उन्हें अपमानित करने के लिए।

गालियों को स्त्री विरोधी बना देना एक सामाजिक विसांगति है, जो समाज के अधोपतन के साथ प्रचलित हो गई। हम ऐसी बहुत सी गालियाँ बकते हैं जो स्त्री की यौनिकता पर चोट करती हैं। ये पूरी तरह से स्त्री विरोधी गालियाँ हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि गालियों का भी लिंग होता है।

गालियों समय, स्थान, व्यक्ति पर निर्भर नहीं करती। ऐसे-ऐसे गालीबाज देखें हैं जिनके मुँह से गाली पहले और शब्द बाद में निकलते हैं। कई लोगों के लिए यह जरूरी नहीं कि वह किसी व्यक्ति को ही गाली दें, मंदिर की सीढ़ियों पर टकराकर भी उनके मुँह से गाली निकल जाती है। वो आसमान, बरखा, बारिश तक को सूत सकते हैं, किसी स्थान को गाली दे सकते हैं, किसी समय को गाली दे सकते हैं। ऐसी धीमी मान्यता भी है कि जो ज्यादा गाली देते हैं वो दिल के साफ होते हैं। जो नहीं दे पाते वो अंदर-अंदर घुने रहते हैं। आजकल तो गालियाँ भी हैं, स्कूल वाली, कॉलेज वाली ओटीटी पर गालियों की भरमार ने इसे अलग तरह की स्वीकृति दे दी है। तर्क भी बड़े हैं अगर जीवन में गालियाँ हैं तो फिल्में

में, वेब सीरीज में क्यों नहीं पोडकास्ट और मंनोरंजन के मंचों पर क्यों न हो। हमारे तो शादि विवाह से लेकर धुलण्डी को सार्वजनिक तौर पर गालियों की बौछार होती है पर लोग उसका बुरा नहीं मानते वो एक अवसर विशेष होता है।

लेकिन अब वर्जनाओं वाले समाज की छटपटाहट धीरे-धीरे विस्फोटक होती हुई ओटीटी के प्लेटफॉर्म पर गालियों के साथ पूरी नमनता परनों कर अब सार्वजनिक मंचों से अभद्रतापूर्ण ही नहीं खुले आम अश्लील शब्दिक आक्रमण शुरू हो गए हैं। स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट टैलेट' में जब बनकर आए रणवीर अलाहाबादिया, समय रैना और अपूर्वा ने गालियों की बोझारों के साथ सारी सीमाएँ लोभते हुए माता-पिता के सैक्स सम्बंधों और माता की यौनी जैसे मुद्दों पर भदे मजाक किए। जहाँ लोग टिकट खरीद कर इस फूहड़ता पर ठाके भी लगा रहे थे। आज लोकप्रियता हासिल करने का सुगम तरीका है सैक्स से भरे मुद्दों को फूहड़ता से परोसो या किसी के यौन धर्म पर चोट करो।

जिन्हें नहीं पता उनकी जानकारी के लिए बता दें कि रणवीर अलाहाबादिया एक पोडकास्टर है। जिसने बड़े बड़े नेताओं से लेकर धर्मगुरुओं तक के साथ पोडकास्ट किया है। इतना ही नहीं खुद मोदी जी इसे सार्वजनिक मंच से सम्मानित कर चुके हैं। रणवीर समय रैना और अपूर्वा मुखिया के खिलाफ के लिए एक एफआईआर दर्ज हुई और मसलना सुप्रीम कोर्ट तक जा पहुंचा। सुप्रीम की सुनवाई के समय पहली टिप्पणी—“हमें तुम्हारे मुँह में दुर्गंध आ रही है!” अभियुक्त की तरफ से खुदवायवकील ने कहा—“मी लार्ड, मुझे भी घिन आ रही है।” अब आप समझ ही गए होंगे कि मसला किमान सीगोन हो चला है। गालियों के व्यापारि करोड़ों रूपया कमा रहे हैं। लाखों-करोड़ों फैन फालोवर्स हैं। यह मामला तेजी से फ़ैल रही है।

सोचिये ऐसे लोग समाज को क्या दे रहे हैं ये कॉमेडी के नाम पर। पर सवाल यह नहीं है कि ऐसे भदे मजाक

क्यों हो रहे हैं इन पर लगाम क्यों नहीं लग रही। श्रीमान जब हमारी कार्यपालिकाओं और विधायिकाओं में जब हमारे प्रतिनिधि सरेंआम न्यूड विडियो देखते हुए कैमरों में कैद हो रहे हैं तो आम जन की कौन कहे।

हमारी सबसे बड़ी चिन्ता ये है कि नाबालिग बच्चे इन्हें सबसे ज्यादा इन्हें देखते, सुनते और इनका अनुसरण करने की कोशिश करते हैं। स्त्री पैलम में एक अपूर्वा मुखिया नाम की लड़की भी जज थी जो प्रतियोगी से पछुती है कि जिस मों के गोपनीय अंग का नाम लेकर तुम इससे बाहर आये हो बताओ उसके अलावा कभी कोई दूसरी औरत यह अंग कब देखा है। अब बताइए कॉमेडी के नाम पर मातृत्व को लेकर इतना गंदा और भद्दा मजाक और माता पिता के रिश्तों पर असहनीय बात कौन करता है। ये कॉमेडी का वो स्तर है, जिसने सभ्यता का सम्पूर्ण स्तर गिरा दिया है। ऐसे मानसिक विकृतियों के विषाणु अब हमारी मुट्ठी में कैद हो गए हैं जिन्हें जब चाहे और सुनो। यह एक-एक कुचक्र जिसमें ये लोग हमारी आने वाली पीढ़ी को संस्कार-विहीन करने का संकल्प ले चुके हैं। सरकार और पैंटस के लिए यह एक एक अलार्म है, जो बहरों को भी सुनाई दे रहा है। सम्भल जाइए, वरना हम अपने बच्चों का और अपने महान राष्ट्र का सर्वनाश अपनी आंखों से देखेंगे।

सोशल मीडिया पर इस एक मामले ने देखते ही देखते तुफान ला दिया। प्रकरण तब और पेचीदा हो जाता है जब आरोपी यूट्यूबर को स्वयं प्रधानमंत्री मोदी अपने कर-कमलों से सम्मानित भी कर चुके हों।

बेवुनियाद हंसी के बाजार में एक नई चीज आ गई है डाक ह्यूमर। उससे पहले कपिल शर्मा जैसे कॉमेडियन रोस्ट कॉमेडी लेकर आए थे। उससे भी पहले जसपाल भट्टी रोस्ट कॉमेडी का अनांखा गुरुद्वाने वाला संस्करण लेकर आए और अमर हो गए।

अब रील्स का ज़माना है, सो डाक और रोस्ट को मिलाकर एक नई कॉमेडी

बनी है, जिसमें अथाह गाली-गलौच और सामान्य वर्जित विषयों पर फिसलती जुबों से हंसी परोसी जा रही है। रणवीर अलाहाबादिया, समय रैना जैसे अनेक लड़के लड़कियाँ डाक ह्यूमर के नए स्तंभ बन रहे हैं। समाज की हर वर्जना, हर हद को तोड़ रहे हैं। इनकी बातों से बने गुब्बारे को इस हद तक दबाया जाता है कि थोड़ी ही देर के भीतर दबी हुई हंसी का गुब्बारा फूट पड़ता है। जिसे परोसने वाला फूलकर कुप्पा हो जाता है। बदले में ढेर सारा पैसा साथ में सस्ती लोकप्रियता, एक-दो एफआईआर और नैतिकता सिखाने वाले ठेकेदारों की गालियाँ मुफ्त में। यह रिक्छान घर-घर तक पहुंच रहा है। छोटे बच्चे भी इसे बेझिझक गालियाँ दोहरा रहे हैं। इससे समाज की कैसे ऐसी तैसी हो रही है इस पर मैं बात नहीं करूंगा। लेकिन भाषा और कंटेंट के तौर पर हम कितने बेहाल हो गए हैं यह तो साफ समझ आ रहा है। लोगों को सिर्फ अपनी भेदी बातें कहनी है किफाए के ठाकेदारों के सामने।

जसपाल भट्टी कलजयी हैं। उनके पास अच्छी फ़िफ्ट, बेजोड़ अभिनय और मारक संदेश था। तकरौबन एक कार्टूनिकता की पूरी सोच के साथ। आज यह सोच गायब है, क्योंकि हमने हंसी के नए खौत गंगा में खोजने शुरू कर दिए हैं। हम आसानी से सस्ता कंटेंट बनाना चाहते हैं। ये क्षिणक मामला है, जिसके ज़ख्म बहुत गहरे हो चले हैं।

इस चलन को तबाही भयावह होगी, क्योंकि धर्म आधारित हमारे समाज में नैतिकता और आजादी के बीच हमेशा जंग हुई है। लेकिन इन हरकतों से अभिव्यक्ति का आजादी भी धर्म भी खतरे में पड़ गया है। जिस सनातनी समाज के पैसंद करोड़ लोगों ने आस्था के नाम पर कुम्भ में गोले लगा कर नया विश्व क्रांतिमान बनाया है क्या विरोधाभास के नाम पर वे ही लोग इस गालियों के गंदे सार में डूब कर अपनी बर्बादी पसंद करेगा।

—राजेन्द्र मोहन शर्मा, अतिथि संपादक साहित्यकार, शिक्षाविद एवं चिन्तक

होली मिलन समारोह आज

हिण्डौन सिटी। राजपूत समाज का होली मिलन व सम्मान समारोह आज शहर के मेला रोड स्थित एक निजी मैरिज होम में आयोजित किया जाएगा।

राजपूत समाज के शिशापाल सिंह जादौन, सत्यस्वरूप सिंह जादौन, नैथू सिंह राजस्थान, अजय सिंह सोलंकी, के. नरोत्तम सिंह, रामराज सिंह, उम्मेद सिंह, गणेश सिंह रामचन्द्रसिंह, नरेन्द्र सिंह जादौन एडवोकेट, सुषेन्द्र सिंह राजावत, सुनील सिंह जादौन नरेंद्र सिंह जादौन एडवोकेट ने जानकारी देते हुए बताया कि समाज का होली मिलन एवं

सम्मान समारोह रविवार सांय 4 बजे वृंदावन रिसोर्ट महवा रोड में आयोजित किया जावेगा। इस दौरान गोवर्धन सिंह जादौन को भारतीय जनता पार्टी जिला करौली का जिलाध्यक्ष निर्वाचित किये जाने, अजयसिंह जादौन को जिलाध्यक्ष क्रिकेट संघ करौली निर्वाचित होने पर, सीमा जादौन को जिला शिक्षा अधिकारी पद पर पदोन्नति किये जाने पर एवं बाईसा धनवी सिंह पिचानौत के राज्य स्तर पर घुडसवारी प्रतियोगिता में 2 सिकन्टर व 2 कांय्य पदक प्राप्त करने पर सम्मान भी किया जावेगा।

श्रीश्यामबाबा भजन समिति

सीकर,। श्रीश्यामबाबा भजन समिति की ओर से शुक्रवार को श्यामभु की विशाल निशान यात्रा नगर के मुख्य मार्गों से निकाली गई। श्यामभक्त रामगोपाल गोपी के सानिध्य में शाम सवा 6 बजे निशान खाटुश्यामजी पहुंच कर बाबा के चरणों में अर्पित किये गए सन्तियों के अध्यक्ष राजकुमार पिपाठी ने बताया कि श्यामभक्त भजन गायक रामगोपाल गोपी, सुनील नैनुखा, वीरेंद्र माधुर, दीपक पटेल, राजेश शर्मा, अदि मौजूद थे।

राजस्थान हाईकोर्ट का आदेश कार्मिक को एपीओ करने का कारण भी लिखित में बताना होगा

जोधपुर, (कांस)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अपन आदेश में कहा कि एपीओ आदेश केवल राजस्थान सेवा नियमों में उल्लेखित आकस्मिक कार्यों या समान कारणों में ही पारित किया जा सकता है। कार्मिक को एपीओ करने का कारण भी लिखित में बताना जरूरी होगा, अन्यथा आदेश विधि विरुद्ध होगा। मामलों में अधिवक्ता यशपाल खिलेरी ने याचिकाकर्ता डॉ. दिलीप सिंह चौधरी, डॉ. मांगीलाल सोनी, लक्ष्मीनारायण कुम्हार सहित अन्य की ओर से पेश की। राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश अरुण मोंगा की एकलपीट से राहत मिली।

भोपालगढ़, जिला जोधपुर के ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी याचिकाकर्ता डॉ दिलीप सिंह चौधरी

की ओर से अधिवक्ता यशपाल खिलेरी ने रिट याचिका दायर कर बताया कि याचिकाकर्ता वर्ष 2015 से चिकित्सा अधिकारी पद पर नियुक्त होकर छह साल की आवश्यक संतोषजनक सेवा पूर्ण करने के बाद उसे वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी पद पर नियुक्त करते हुए बीसीएमओ, भोपालगढ़ के पद पर नियमानुसार नियुक्त किया गया। लेकिन तीन साल की सेवावधि वाले जूनियर अयोग्य चिकित्सक को उक्त वरिष्ठ पद पर नियुक्त करने की एक मात्र मंशा से याचिकाकर्ता को आदेश दिनांक 19 फरवरी 2024 से एपीओ कर दिया गया, जिसे रिट याचिका दायर कर चुनौती दी गई।

सभी समान एपीओ आदेशों को

चुनौती वाली रिट याचिकाओं की प्रारंभिक सुनवाई पर हाइकोर्ट की एकलपीट ने एपीओ आदेश पर अलग अलग स्थान आदेश जारी करते हुए राज्य सरकार को जवाब तलब किया था। राज्य सरकार की शर्त से जवाब पेश कर जाहिर किया गया कि एपीओ आदेश प्रशासनिक आवश्यकता व जनहित को देखते हुए किया गया, जो राजस्थान सेवा नियम के नियम 25 क के अनुसार सही जारी किया गया है।

सभी 56 रिट याचिकाओं की अंतिम सुनवाई करने के बाद और पूर्व न्यायिक निर्णयों डॉ सुकुमार करयप बनाम राजस्थान राज्य और डॉ महेश कुमार पंवार बनाम राजस्थान सरकार निर्णयों से सहमत होते हुए और

राजस्थान सेवा नियम 1951 के प्रावधानों का विस्तृत विवेचन करते हुए राजस्थान हाइकोर्ट एकलपीट ने समस्त एपीओ आदेशों को निरस्त करते हुए भविष्य में एपीओ आदेश जारी करने के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए, जिसमें एपीओ आदेश का उद्देश्य व औचित्य, एपीओ आदेश जारी करने की शर्तें, सीमाएं व प्रतिबन्ध, तथा प्रशासनिक जवाबदेही प्रतीपादित किये गए। साथ ही राज्य के मुख्य सचिव को इस सम्बन्ध में प्रशासनिक निर्देश जारी करने को भी आदेशित किया ताकि भविष्य में एपीओ आदेश जारी करते समय इन दिशानिर्देशों की अक्षरशः पालना हो सके। एकलपीट ने एपीओ मामलों में

यह महत्वपूर्ण व्यवस्था दी कि एपीओ आदेश को स्थानान्तरण आदेश के विकल्प के रूप में जारी नहीं किया जा सकता है और न ही किसी कार्मिक को दंड देने अथवा अनुशासनात्मक कार्यवाही के विकल्प के रूप में या उससे बचने के पर्याय के रूप में पारित किया जा सकता है। साथ ही एपीओ आदेश राजस्थान सेवा नियम व उल्लेखित सात परिस्थितियों अथवा उसके ही समान परिस्थितियों में ही जारी किया जा सकता है लेकिन उन परिस्थितियों को संबंधित कार्मिक को लिखित में बताना आवश्यक होगा। एपीओ आदेश 30 दिन से अधिक जारी नहीं रहा जा सकता है। बशर्तें वित्त विभाग द्वारा वैध औचित्य के साथ इसे अनुमोदित नहीं किया जाए।

राशिफल रविवार 2 मार्च, 2025



पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र प्रातः 8:59 तक, शुभ योग दिन 12:39 तक, तैतिल करण दिन 10:36 तक, चन्द्रमा सोमवार प्रातः 6:39 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरु-वृष, शुक-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग सूर्योदय से प्रातः 8:59 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से 8:59 तक बना रहेगा। रविवोग सूर्योदय से आरम्भ होगा। आज शुक्र वक्री प्रातः 6:08 पर होगा। आज पंचक है।

श्रेष्ठ चौघडिया: चर 8:20 से 9:46 तक, लाभ-अमृत 9:46 से 12:39 तक, शुभ 2:05 से 3:32 तक। राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:54, सूर्यास्त 6:24

मेष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बने लगे। व्यवसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
आज मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। आज घर-बहुश्रेष्ठ के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आवश्यक कार्य के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। परिवार में धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

कर्क
अपने अति और महत्वपूर्ण आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बने लगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सिंह
नवीन कार्यों के

ओलावृष्टि से फसल खराबे की शीघ्र गिरदावरी करवाने के लिए निर्देश

भरतपुर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को भरतपुर के जिला कलेक्टर सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विभिन्न जिला कलेक्टरों से ओलावृष्टि पर वार्ता की। उन्होंने जिला कलेक्टरों से विगत दिनों

मुख्यमंत्री ने प्रभावित जिलों की स्थिति की कलेक्टरों के साथ की समीक्षा, मांगी रिपोर्ट

कुछ जिलों में हुई ओलावृष्टि एवं इससे हुए नुकसान की विस्तृत जानकारी ली। शर्मा ने राजस्व विभाग के प्रमुख शासन सचिव को निर्देश दिए कि ओलावृष्टि से प्रभावित जिलों में फसल खराबे का आकलन करने के लिए शीघ्र गिरदावरी करवाई जाए। मुख्यमंत्री ने सीकर, चूरू, बीकानेर, झुंझुनूं, एवं खैरथल-तिजारा के जिला कलेक्टर को निर्देशित किया कि गिरदावरी करवाकर रिपोर्ट शीघ्र भेजें। उन्होंने 7 डी रिपोर्ट को भी 5 मार्च तक प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, जिससे



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को भरतपुर के जिला कलेक्टर सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विभिन्न जिला कलेक्टरों से ओलावृष्टि पर वार्ता की।

प्रभावित किसानों को एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के फंड से तुरंत मुआवजा दिया जा सके। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त

मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण प्रवीण गुप्ता सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। साथ ही, अतिरिक्त मुख्य सचिव आपदा

प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा आनंद कुमार, बीकानेर संभागीय आयुक्त डॉ. रवि कुमार सुरपुर, जयपुर संभागीय आयुक्त पूनम भीवीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े।

पिता-बेटे से लूट की वारदात को अंजाम देने वाले गिरफ्तार

जयपुर। बिंदायका थाना पुलिस ने फिल्मों स्ट्राइल में पिता-बेटे से लूट की वारदात को अंजाम देने वालों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि बदमाशों ने पहले चाकू की नोक पर पिता से ऑनलाइन रुपए ट्रांसफर करवाए। फिर बेटे को कॉल कर पिता का एक्सिडेंट होना बताकर रुपए ऐंट लिए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोनों बदमाशों को दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयोग बाइक भी बरामद की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।



बिंदायका थाना पुलिस ने फिल्मों स्ट्राइल में पिता-बेटे से लूट की वारदात को अंजाम देने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार बुडानिया ने बताया कि बिंदायका थाना पुलिस ने बाइक सवार दो बदमाशों ने फिल्मों स्ट्राइल में पिता-बेटे से लूट की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी सोनू अंसारी (19) निवासी बरेली उत्तर प्रदेश हाल मंगल विहार कॉलोनी मालपुरा गेट व उसके साथी को बापटों गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोनों बदमाशों को चिह्नित कर दबिश देकर पकड़ा है। इनके कब्जे से लूट में यूज बाइक बरामद की गई है। पुलिस पूछताछ में कई अन्य वारदातों के खुलासे की संभावना बताई गई है।

बिंदायका के रहने वाले नरपत बोहरा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उसके पिताजी दिहाड़ी मजदूरी करते

करता हूं। तुम्हारे पिताजी 5वीं मंजिल से नीचे गिर गए हैं, जिनको तुरंत एसएमएस हॉस्पिटल लेकर जाने की कहकर एसआरआई और एम्बुलेंस के लिए 5 हजार रुपए मांगी। बताए गए मोबाइल नंबर पर 5 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए। पिता को देखने के लिए हॉस्पिटल के लिए निकलने पर हाथोख मोड़ पहुंचा। वहां पिता खड़े हुए मिलने पर बातचीत की। पिता ने बताया कि सिवार मोड़ पर मजदूरी के लिए खड़ा होने के दौरान बाइक पर एक लड्डुका आया। साथ में मजदूरी करने की कहकर अपने साथ ले गया। हाथोख मोड़ से पहले रोककर चाकू दिखाकर जबरन मोबाइल छीन लिया। मोबाइल से ऑनलाइन 5 हजार रुपए ट्रांसफर कर लूट लिए। उसके बाद मोबाइल व बाइक लेकर फरार हो गया।

स्पा सेंटर से तीन पुरुष और दो महिला गिरफ्तार

जयपुर। प्रताप नगर थाना पुलिस ने भी अवैध रूप से संचालित वेलकम थाई स्पा सेंटर और रॉयल ग्रीन स्पा सेंटर में कार्रवाई करते हुए तीन पुरुष और दो महिलाओं को शांतिभंग में गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वीनी गौतम ने बताया कि प्रताप नगर

थाना पुलिस ने भी अवैध रूप से संचालित वेलकम थाई स्पा सेंटर और रॉयल ग्रीन स्पा सेंटर में कार्रवाई करते हुए चिकी शर्मा, शुभंकर विश्वास, अजहरुद्दीन शेख, संगीता यादव और ज्योति प्रजापत को शांति भंग में गिरफ्तार किया है।

राजेश रेड्डी की दिलकश शायरी ने जबर्दस्त समाँ बांधा

जयपुर। विकल्प नाट्य संगठन के स्वर्ण जयंती उत्सव के अवसर पर जवाहर कला केन्द्र के रंगायन सभागार में शनिवार को देश के ख्यातनाम शायर राजेश रेड्डी ने जीवन से जुड़ी अपनी शानदार और दिल को गहराई तक पहुंचाने वाली दिलकश शायरी से सुनने वालों को मंत्र-मुग्ध कर दिया। उनकी तमाम गजलों को श्रोताओं ने तल्लीनता से सुना और बार बार करल ध्वनि कर दाद दी। श्रोताओं ने उनकी गजलों को अपने दिल के करीब पाया।



जानचंद मोदी फाउंडेशन के ट्रस्टी राहुल मोदी ने विकल्प के संरक्षक मुकुन्द देव अग्रवाल को विकल्प रत्न, अध्यक्ष मोहनलाल गोयल को विकल्प विभूषण, संस्थापक सदस्य राजेश रेड्डी और हरिनारायण को विकल्प भूषण तथा रंगकर्मा और लेखन से जुड़े एस.एन.पुरोहित, फारूक आफरीदी, प्रेमचंद गांधी और सुशील गुप्ता को कलम के योद्धा सम्मान से नवाजा गया।

जब उन्होंने ये शेर सुनाया कि "शाम को जिस चक्रत खाली हाथ घर जाता हूँ मैं, मुस्कुरा देते हैं बच्चे और घर जाता हूँ मैं" तो श्रोता बाह बाह कर उठे। रेड्डी को शायरी इंसानियत और लोगों की ज़िंदगी की हकीकत से वाबस्ता रही और उसके तार लोगों के दिलों से जुड़ते चले गए। आज के बच्चों के मनोभावों का इजहार उन्होंने अपनी शायरी के इन लफ्जों में बयान किया- "मिरे दिल के किसी कोने में इक मासूम सा बच्चा, बड़ों की देख कर दुनिया बड़ा होने से डरता है।"

अभिषेक को आज्ञा दी पर भी रेड्डी ने एक मौजू शेर सुनाया, "सर क्रमम होंगे कल यहाँ उन के, जिन के मुँह में ज़बान बाक्री है।" गजल के एक और शेर - पहले इक आसमान पैदा कर फिर परों में उड़ान पैदा कर, अपनी

किसान की ज़िंदगी का बयान किया और खूब तालियाँ बटोरीं। शेर था "मिलती हैं कितनी रोटियाँ मेहनत की धूप में, घूँसे कोई ये खेल में जा कर किसान से।" आज की सियासत पर नेताओं के लच्छेदार और अवागम को भरमाने वाली तकरीरों पर तंज करता हुआ यह मौजू शेर सुनाया "लफ्जों के हेर-फेर से बाजी चला गई, हर शब्द आ गया है सियासत की चाल में।" लगभग एक घंटे की शायरी में उन्होंने करिश्माई समाँ बांधे रखा।

राजेश रेड्डी ने अपनी शायरी का एक मौजू इंसानियत को बनाया और इंसानियत को उन्होंने मजहब की मीनारों से भी ऊपर माना : उनका प्रभावशाली शेर था - गीता हूँ कुरआन हूँ मैं मुझको पढ़े इन्सान हूँ मैं, मैं इसी धारा, इसी हूँ, इसी रहूँगा जो करना हो हिन्दू-मुसलमान कर लें। बेच डाला हमने कल अपना जर्मन/जिन्दगी का आखिरी जेवर गया सोना था फ़क़त-लोगो जो बाजार से ले आएबेच आए जो बाजार में ज़ेवर तो वही था।"

स्मैक की सप्लाई करने वाला पकड़ा

जयपुर। पुलिस कमिश्नरेंट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत भट्ठा बस्ती थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की सप्लाई करने वाले तोफिक उर्फ मामा को गिरफ्तार कर उसके पास से 22.10 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक जब्त की है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत भट्ठा बस्ती थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की सप्लाई करने वाले तोफिक उर्फ मामा निवासी पुन्हा जिला नूह (हरियाणा) हाल भट्ठा बस्ती जयपुर को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से पुलिस ने 22.10 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद की है। पुलिस आरोपित से अवैध मादक पदार्थ की खरीद-फरोख के बारे में पूछताछ कर रही है।



भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ शनिवार को चौमू के जयसिंहपुरा पहुंचकर स्व.रोशन यादव के परिजनों को सांत्वना प्रदान की। रोशन यादव की असांमयिक निधन पर उनके निवास स्थान पर शोकसभा में पहुंचे। राठौड़ ने पुण्य आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मदन राठौड़ के सहयोगी प्रभुदयाल यादव के ममेरे भाई रोशन यादव का सड़क दुर्घटना निधन हो गया था।

फुलेरा दूज पर यादव समाज के 65 जोड़े बने एक-दूजे के हमसफर



फुलेरा दूज के अवसर पर शनिवार को रामसिंह पुरा, सांगानेर जयपुर में यादव समाज का 12वा सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित हुआ। हेरिटेज निगम महापौर कुसुम यादव सहित अन्य अतिथियों ने वर-वधु को आशीर्वाद दिया।

जयपुर। फुलेरा दूज के अवसर पर शनिवार को रामसिंह पुरा, सांगानेर जयपुर में यादव समाज का 12वा सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित हुआ। विवाह सम्मेलन के मीडिया प्रभारी एवं खेल बोर्ड के पूर्व सदस्य हरीश यादव ने बताया कि विवाह सम्मेलन सम्मेलन में 65 जोड़े वर वधु दंपत्य जीवन में जीवनसाथी बने। कार्यक्रम में राजस्थान यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व सांसद डॉक्टर करण सिंह यादव, कैबिनेट मंत्री

कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, यादव समाज के कार्यकारी अध्यक्ष महेंद्र यादव, कार्यकारी अध्यक्ष हरसहाय यादव, पूर्व मंत्री लालचंद कटारिया, पूर्व मंत्री राजेंद्र यादव, जयपुर सांसद मंजू शर्मा, विधायक मनीष यादव, विधायक बालमुकुंद आचार्य, विधायक कैलाश वर्मा, हेरिटेज निगम महापौर कुसुम यादव, जिला प्रमुख रमा चोपड़ा, यादव युवा महासभा के अध्यक्ष मदन यादव, जिला अध्यक्ष सरदार सिंह यादव, श्री कृष्णा सामाजिक उत्थान

संस्था के अध्यक्ष लालचंद यादव, सम्मेलन के कार्यकारी अध्यक्ष गणेश गंडवाल, कैलाश गोठवाल, गंगाराम, गणेश चित्तौंसिया, ओमप्रकाश चित्तौंसिया आदि लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में संपूर्ण भोजन की व्यवस्था भामाशाह हीरालाल शिवनारायण भंगार द्वारा की गई। हेरिटेज निगम महापौर कुसुम यादव ने वर वधु को भविष्य के लिए आशीर्वाद देते हुए कहा कि विवाह दो आत्माओं का मिलन है। विवाह के बाद

केवल वर वधु ही नहीं अपितु दो परिवार भी एक होते हैं। अपने जीवनसाथी के लिए हमेशा समर्पण भाव रखना चाहिए। इस अवसर पर संस्था के महामंत्री गणपत यादव पूर्व पार्षद अजय यादव कजोड़ यादव भामाशाह रामनिवास यादव भामाशाह शंकर यादव महिला कार्यकर्ता कोमल यादव मधु यादव शारदा यादव रितु यादव एडवोकेट लालचंद यादव प्रभु यादव सहित समाज के लगभग 20 हजार नागरिक विवाह सम्मेलन में मौजूद रहे।

सी.एम.को धमकी मामले में चार आरोपित प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार

जयपुर। विधायकपुरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राजस्थान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को मारने की धमकी भरे कॉल मामले में चारों आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। धमकी के अनुसार मुख्यमंत्री को धमकी देने के मामले में पकड़े चारों आरोपी दौसा जेल में बंद थे। पुलिस ने शनिवार दोपहर कोर्ट में पेश कर चारों

आरोपियों को दो दिन के रिमांड पर लिया है। थानाधिकारी बनवारी लाल मीना ने बताया कि दौसा जेल से प्रोडक्शन वारंट पर आरोपी रिंकु उर्फ रण्डवा पुत्र पप्पाराम निवासी हरसौरा अलवर, शहजाद खान उर्फ साजिद पुत्र सलीम खान निवासी उनाव उत्तर प्रदेश हाल संजय नगर-ई शोटवाड़ा, जयनारायण पुत्र हरसहाय मीणा निवासी सदर दौसा और राकेश

फायरिंग कराने वाले चार आरोपी गिरफ्तार



बगरू थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 22 फरवरी को प्रेम प्रसंग में बाधा बन रहे पिता पर फायरिंग करवाने वाला पुत्र व उसकी प्रेमिका सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

जयपुर। बगरू थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 22 फरवरी को प्रेम प्रसंग में बाधा बन रहे पिता पर फायरिंग करवाने वाला पुत्र व उसकी प्रेमिका सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त हथियार एक देशी कट्टा, 4 जिन्दा कारतूस, 1 खाली केस व वाहन कार स्विच कार भी बरामद की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

प्रेम प्रसंग में बाधा बन रहे पिता पर फायरिंग कराने का मामला

जयपुर में निवास कर रहे है। आरोपी जितेन्द्र चौधरी उर्फ जीतू पूर्व से शादीशुदा है जिसके दो संतान है। आरोपी जितेन्द्र चौधरी के पिता परिवारी हनुमान चौधरी और आरोपी जितेन्द्र चौधरी उर्फ जीतू को अपने घर ले जाना चाहते थे। परन्तु जितेन्द्र चौधरी उर्फ जीतू अपनी प्रेमिका के साथ रहना चाहता है तथा नशे का आदि है। परिवारी के दबाव के कारण आरोपी जितेन्द्र चौधरी व उसकी प्रेमिका ने परिवारी के साथ मिलकर आपराधिक षड्यंत्र चरकर सुनियोजित योजना के बाइस चौरवी निवासी सांगानेर सदर जयपुर और बलवंत सिंह निवासी कोटखावादा हाल मुजाना जयपुर को गिरफ्तार किया है। जहाँ में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपित जितेन्द्र चौधरी व उसकी प्रेमिका सुमित्रा चौधरी पिछले करीब 2 वर्षों एक साथ अपने घर से दूर

अभियान में पंजाब का हेरोइन तस्कर गिरफ्तार

हेरोइन जब्ती मामले में पुलिस पर फायर कर भागा था

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर जिले की समेजा कोठी पुलिस ने हेरोइन तस्करों के एक बड़े मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में लगभग छह और संदिग्धों के नाम सामने आए हैं। पुलिस उनकी संलिप्तता को जांच कर रही है। डीआईजी गौरव यादव के अनुसार 15 जून 2024 को समेजा

■ पुलिस हेरोइन तस्करों के मामले में अन्य संदिग्धों की जांच कर रही है



श्रीगंगानगर जिले की पुलिस ने पंजाब का हेरोइन तस्कर को गिरफ्तार किया।

गगनदीप सिंह उर्फ गुरी (22) को पकड़ा। गगनदीप पंजाब के फिरोजपुर जिले के ममदोट का रहने वाला है। इस मामले में पहले ही एक अन्य

आरोपी नवदीप सिंह उर्फ लवली को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। इस गिरफ्तारी में कॉन्स्टेबल कालाराम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। थाना

प्रभारी के अनुसार मामले में लगभग छह और संदिग्धों के नाम सामने आए हैं। पुलिस उनकी संलिप्तता की जांच कर रही है।

सालाना जलसा समारोह संपन्न

चुरू। गांव झारिया में शुक्रवार देर शाम को मरहरसा इस्लामिया काश्फुल उलूम के सालाना जलसे का आयोजन किया गया। जलसे की अध्यक्षता मौलाना मोहम्मद सालेह ने की। मुख्य अतिथि मरहरसा जामिया दारुल उलूम के प्राचार्य मुफ्ती इरशाद काममी थे। हाफिज मोहम्मद सद्दाम ने तिलावत-ए-कुरआन से जलसे का आगाज किया। इस मौके पर मरहरसे के बच्चों व बच्चियों को उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रतीक चिन्ह व प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। जलसे में मरहरसे के विद्यार्थियों ने दिलकश अंदाज में नात, तकररीर और मुकालमे प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि इंसानियत एकता सेवा समिति के संस्थापक करामत खान ने कहा कि हम अपने बच्चों और बच्चियों को बेहतर तालीम दिलाएं और उन्हें अच्छे संस्कारों से

बीकानेर रेंज से 4 एसआई सेवा से बर्खास्त

बीकानेर। प्रदेशभर में साल 2021 की एसआई भर्ती परीक्षा के मामले में अब दोषी सब इंस्पेक्टर को सेवा से बर्खास्त करने का सिलसिला तेज हो गया है।

कुछ दिन पहले दो एसआई को बर्खास्त करने के बाद देर रात बीकानेर आईजी ओम प्रकाश ने चार और एसआई बर्खास्त कर दिए। ये सभी एसआई श्रीगंगानगर में पोस्टेड थे।

आईजी ओमप्रकाश पासवान ने बताया कि रेंज के श्रीगंगानगर में पदस्थापित मनीष बेनीवाल पुत्र श्रवण कुमार, जयराज सिंह पुत्र आसू सिंह, अंकिता गोदारा पुत्री श्याम सुंदर और मनीषा सिहाग पुत्री अर्जुनराम सिहाग को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

■ श्रीगंगानगर में पोस्टेड थे सभी रेंज से अब तक 6 को हटाया

■ सेवा से बर्खास्तगी नियम सीसीए 19 (2) के तहत की गई

इन सभी के खिलाफ सेवा नियमों के तहत कार्रवाई की गई है। एसआई भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी करने का आरोप है। प्रारंभिक जांच में ये सभी दोषी पाए गए हैं। ऐसे में इन्हें निलंबित के बजाय सीधे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। ये कार्रवाई सेवा से

बर्खास्तगी नियम सीसीए 19 (2) के तहत की गई है। सभी सब इंस्पेक्टर बैच 2021 के हैं। एसओजी ने जो मामला दर्ज किया था, उसी के तहत इन पर कार्रवाई की गई है। इससे पहले जयपुर जेल में बंद श्रवण कुमार गोदारा पुत्र बीरबलराम बिशोई निवासी बज्जू खालसा और मंजू बिशोई पुत्र गोगाराम बिशोई निवासी गुलसानियों की ढाणी धीरीमन्ना बाड़मेर को सेवा से बर्खास्त किया गया था। इसमें श्रवण की पोस्टिंग श्रीगंगानगर थी जबकि ममता की पोस्टिंग बीकानेर में थी। ये दोनों भी साल 2021 के बैच में ही एसआई बने थे। बीकानेर रेंज आईजी ओम प्रकाश अब तक छह एसआई को सेवा से बर्खास्त कर चुके हैं।

रात्रि चौपाल में एडीएम ने सुनी आमजन की समस्याएं

करौली। अतिरिक्त जिला कलेक्टर हेमराज परिडवाल ने कहा कि रात्रि चौपाल के दौरान परिवारियों से प्राप्त प्रकरणों को अधिकारी समय सीमा में निस्तारण करें।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर पंचायत समिति श्रीमहावीरजी की ग्राम पंचायत गुनसार में आयोजित रात्रि चौपाल को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। रात्रि चौपाल में आमजन एवं ग्रामीणों के द्वारा जल जीवन मिशन के तहत पेयजल उपलब्ध करवाना, अतिक्रमण हटवाना, बिजली का बिल कम करने, सड़क बनवाने, रास्ता खुलवाने, पेयजल हेतु टंकी का निर्माण करवाने, बीपीएल में नाम जुड़वाने, स्कूटी दिलवाने, खेलन मैदान के लिए भूमि आवंटित करने सहित विभिन्न विभागों के 32 प्रकरण प्राप्त हुए। जिन पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने प्रत्येक प्रकरण की व्यक्तिगत सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्रता से नियमानुसार कार्यवाही करने एवं आमजन को लाभांशित करवाने के निर्देश प्रदान किए। रात्रि चौपाल के दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिवचरण मीणा, उपखंड अधिकारी हेमराज गुर्जर, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ गंगासहाय मीणा, कृषि विभाग के सहायक निदेशक अशोक कुमार मीणा, सूचना एवं जन संपर्क कार्यालय के सहायक निदेशक धर्मेश कुमार मीणा, तहसीलदार रणु चौधरी सहित अन्य जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में परिवारी उपस्थित रहे।

विश्व के समक्ष सेवा का नया अध्याय लिखें भारतीय चिकित्सक : राज्यपाल बागडे



राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागडे ने उदयपुर में अधिवेशन को सम्बोधित किया।

उदयपुर, (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागडे ने कहा कि आम समाज के लिए चिकित्सक भगवान के समान होते हैं। व्यक्ति की चिकित्सा के प्रति श्रद्धा और आत्मीय भाव अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह चिकित्सक की सलाह पर पूरी आस्था रखता है। ऐसे में चिकित्सक की जिम्मेदारी अहम हो जाती है।

वे शनिवार को यहां नेशनल मेडिकल ऑर्गेनाइजेशन (एनएमओ) के 44वें राष्ट्रीय अधिवेशन नमोकां-2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने चिकित्सकों से सेवा भावना को सर्वोपरि रखने का आह्वान करते हुए कहा कि मानव सेवा ही ईश्वर सेवा का पर्याय है। स्वामी विवेकानंद ने

मानव सेवा को ही ईश्वर सेवा बताया था, और पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भी नर सेवा को नारायण सेवा के रूप में स्वीकार किया। इसी भावना के साथ समाज को स्वास्थ्य, शिक्षा और सेवा के प्रति जागरूक बनाना आवश्यक है। राज्यपाल ने चिंता व्यक्त की कि वर्तमान समय में मनुष्य की रोग प्रतिकारक क्षमता कमजोर हो रही है, जिसे बढ़ाने के प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि पुराने समय में प्रातःकाल दंड-बैठक और व्यायाम हमारी दिनचर्या का अनिवार्य हिस्सा था, लेकिन आधुनिक जीवनशैली में यह परंपरा लुप्त होती जा रही है। इसे पुनर्जीवित कर लोगों को स्वस्थ जीवन के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। उन्होंने कोविड-19 महामारी का उदाहरण देते

हुए कहा कि इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में न केवल देश बल्कि विदेशों को भी बचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। उन्होंने नेशनल मेडिकल ऑर्गेनाइजेशन (एनएमओ) की सराहना करते हुए इसके अधिवेशन की सफलता की कामना की। अपने बचपन के कुछ अनुभव साझा करते हुए उन्होंने सामाजिक सेवा कार्यों को याद किया। मैकाले की शिक्षा पद्धति पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि यह प्रणाली राष्ट्र को जड़ों को कमजोर करने के लिए बनाई गई थी, लेकिन अब संगठन राष्ट्र सेवा के भाव को सुदृढ़ करने और समाज में चेतना जगाने का कार्य करेगा। इसके लिए प्राइमरी शिक्षा से ही प्रयास करने होंगे।

स्मैक तस्कर गिरफ्तार

करौली। करौली पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन स्मैक आउट के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने स्मैक तस्करों के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर पुलिस ने 10 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत 7 मामले दर्ज हैं।

लांगरा थानाधिकारी वासुदेव बसवाल के अनुसार आरोपी धीलपुर के चित्ताचन्द निवासी कमल मीणा 29 एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा था। वह पहले से गिरफ्तार पांच आरोपियों को स्मैक की आपूर्ति करता था।

ये आरोपी करौली, सरमथुरा, बाड़ी, जबीरपुर और आसपास के गांवों में स्मैक बेचते थे। इससे पहले पुलिस ने एक अन्य इनामी बदमाश के घर से स्मैक बिस्की से जुड़ी 5 लाख रुपए की नकदी जब्त की थी।

महू को नवीन ग्राम पंचायत बनाए जाने के लिए जयपुर तक गुहार

करौली। करौली पंचायत समिति की ठाम पंचायत हरनगर से ठाम माहू को नवीन ठाम पंचायत बनाए जाने को लेकर बड़ी संख्या में ठामीण जयपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पंचायत राज एवं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, सहकारिता मंत्री अविनाश गहलोट से भी गुहार लगा चुके हैं।

जयपुर से मिले आश्वासन के बाद एक बार फिर ठामीण करौली जिला कलेक्टर पहुंचे और महू गांव को ठामीणों ने कलेक्टर पर प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। जिला कलेक्टर और एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर महू गांव को पारशरी ग्राम पंचायत में जोड़ने का विरोध किया और महू ग्राम पंचायत को नवीन ग्राम पंचायत बनाने की मांग की। इस दौरान बड़ी संख्या में ठामीण

■ जयपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पंचायत राज एवं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, सहकारिता मंत्री को ज्ञापन दिया है।

मौजूद रहे। महू गांव निवासी पोधी टेकेदार, अमरलाल, किरोड़ी, दर्शन रामकिशोर और जगमोहन माली ने बताया कि महू गांव को पारशरी नवीन पारशरी ग्राम पंचायत से जोड़ने की चर्चा है।

जिसका क्षेत्र वासियों में भारी विरोध है। ठामीणों ने बताया कि पारशरी ग्राम पंचायत बनने से महू सहित

आसपास के अन्य ठामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि पारशरी गांव तक जाने का मुख्य रास्ता लंबा और परेशानियों से भरा है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में महू गांव की जनसंख्या अधिक है। जबकि पारशरी गांव की जनसंख्या कम है और सुविधाओं का भी अभाव है। ठामीणों ने बताया कि महू गांव में सभी सुविधाएं उपलब्ध होने से इसे नवीन ग्राम पंचायत बनाना उचित रहेगा। ठामीणों ने पूर्व में दिए ज्ञापन की अनदेखी का भी आरोप लगाया है। ठामीणों ने एक बार फिर ज्ञापन सौंप कर जल्द से जल्द मांग पूरी करने की गुहार लगाई है। इस दौरान प्रकाश चंद जाटव, रामधन, रामकुमार, रमेश, मोहर सिंह, रामराज सैड बड़ी संख्या में एक दर्जन से अधिक गांव के लोग उपस्थित रहे।

विजयनगर ब्लैक मेल कांड: सकल हिंदू समाज का अजमेर बंद रहा सफल

अजमेर, (कासं)। अजमेर संभाग के व्यापक जिले के विजयनगर में स्कूली छात्राओं के साथ हुए दुराचार, ब्लैकमेलिंग व घर्मातरण मामले को शनिवार को सकल हिंदू समाज की ओर से अजमेर बंद का आह्वान किया गया था। सकल हिंदू समाज का अजमेर बंद छिटपुट घटनाओं को छोड़कर शांतिपूर्ण व सफल रहा। बंद के दौरान हाथों में लाठी डंडे लेकर हिंदूवादी संगठनों के लोग बाजार बंद कराने निकले। रास्ते में कई जगह टेम्पो, ई-रिक्शा के पहियों की हवा निकाली। सवारियों को गाड़ियों से भी उतारा गया। बंद समर्थक व दुकानदार, ई-रिक्शा ड्राइवर से नोकझोंक की घटना भी सामने आई हैं। बंद के मद्देनजर सुरक्षा की दृष्टि से जिला पुलिस प्रशासन पूरी रह मुस्तैद रहा।

■ कलेक्टर पर किया प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

■ मामले जांच सीबीआई से कराने की मांग

■ श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ ने व्यापारियों का जताया आभार

आक्रोश रैली के रूप में जिला कलेक्टर पहुंचे। कलेक्टर पर बड़ी संख्या में विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग व कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड पर चढ़ कर नारेबाजी कर आक्रोश जताया और आरोपियों की फांसी देने के नारे लगाए। इसके पश्चात सकल समाज के प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने जिला कलेक्टर लोकबंध को मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपा और मामले की जांच सीबीआई से कराने व आरोपियों को फांसी देने की मांग की।

श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ ने दिया था समर्थन: विजयनगर रेप ब्लैकमेल कांड के विरोध में शनिवार को, अजमेर बंद के सकल हिंदू समाज के आह्वान पर यह निर्णय लिया गया है। बंद को श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ से जुड़े 124 से ज्यादा व्यापारिक

संगठनों ने अपना समर्थन दिया था। बंद के दौरान दरगाह बाजार में कुछ दुकानें खुली मिली थीं। जिस पर सकल समाज के कार्यकर्ताओं ने दुकानदारों से उन्हें अपने प्रतिष्ठान बंद करने की अपील की गई। अजमेर बंद के दौरान इमरजेंसी सेवाओं पर बंद का असर नहीं है। स्कूल-कॉलेज, पेट्रोल पंप, गैस एजेंसी, हॉस्पिटल जैसी आवश्यक सेवाओं को बंद से दूर रखा गया है। व्यापारियों व दुकानदारों का जताया आभार:- श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ के अध्यक्ष महेंद्र बंसल, महासचिव रमेश लालवानी, अमित ढाणी, विजय गौयल, किशोर टेकवानी, ठाकुर मूलानी, सुरेश तंबोली, पवन बंसल, गोविंद लालवानी, रणवीर सैनी आदि ने अजमेर बंद के दौरान व्यापारियों द्वारा दिए गए समर्थन पर आभार जताया।

मुआवजा की मांग सादुलपुर

तहसील के नीमा, हमीरवास, बास लाल सिंह, जसवंतपुरा, बैरासर, लम्बेर सहित कई गांवों में शुक्रवार शाम लगभग 6 बजे भयंकर ओलावृष्टि हुई, जिसने किसानों की उम्मीदों को मिट्टी में मिला दिया। खेतों में लहलहा रही सरसों और गेहूँ की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। इस आपदा के कारण हजारों किसान गहरे आर्थिक संकट में आ गए हैं, क्योंकि इस क्षेत्र के ठामीणों की आजीविका पूरी तरह से कुपित पर निर्भर है। ओलावृष्टि इतनी भीषण थी कि सरसों की फलियां टूटकर गिर गईं और गेहूँ के दाने झड़कर मिट्टी में मिल गए। कई जगह खेतों में पानी भर गया और बची हुई फसल के सड़ने का खतरा पैदा हो गया। इस तबाही से किसान गहरे सदमे में हैं, क्योंकि वे इस फसल से अपनी सालभर की जीविका चलाने की उम्मीद लगाए बैठे थे। स्थानीय किसान जगदीश गुर्जर, बास लाल सिंह के गिरवर्सिंह ने बताया कि 'हमने अपनी पूरी मेहनत और पूंजी लगाकर फसल तैयार की थी, लेकिन कुछ ही मिनटों में सब खतम हो गया।

भामाशाहों एवं प्रतिभाओं को सम्मानित किया

उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाली बालिकाओं को सम्मानित किया

सीकर। शहीद मुस्ताक अली खान राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय जाजोद में भामाशाहों एवं प्रतिभाओं का सम्मान समारोह राष्ट्रपति शिक्षक पुरस्कार प्राप्त भंवरसिंह के मुख्य अतिथ्य में शनिवार को आयोजित हुआ। भंवर सिंह ने अपने उद्बोधन में बालिकाओं को नैतिक शिक्षा, संस्कारवाना तथा अनुशासन की पालना करने की विस्तार से जानकारी दी। प्रधानाचार्य रामचन्द्र सिंह खीचड़ ने विद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए ग्रामवासियों से विकास के लिए सहयोग का आह्वान किया। जिसपर सभी ग्रामवासियों ने सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ.

■ भामाशाहों एवं प्रतिभाओं का सम्मान समारोह राष्ट्रपति शिक्षक पुरस्कार प्राप्त भंवरसिंह के मुख्य अतिथ्य में सम्पन्न

धौवाराम लव्या ने की। विशिष्ट अतिथि मुं सरपंच रणिया के अतिथि, सुबेदार इकबाल खान, जोगेंद्र सिंह, सुरजन सिंह, सुबेदार प्रहलादसिंह, हनुमानसिंह पूनिया, इब्राहिम मलकाण, इलियास नूरखानी, इमरान खां मुदरबखानी,

नियाज खां फाडियान उपस्थित रहे। इस अवसर पर चार राज्यस्तरीय खिलाड़ियों को मेडल व माला पहनाकर सम्मानित किया। एक दर्जन से अधिक उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाली बालिकाओं को सम्मानित किया। दो दर्जन से अधिक भामाशाहों को माला पहनाकर व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। शारीरिक शिक्षक कविता सैनी सहित पूरे स्टाफ को माला पहनाकर व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। अंत में व्याख्याता संगीता ने सभी का आभार व्यक्त किया। संचालन व. अ. रोशन अली ने किया। कार्यक्रम में गांव के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गांवों में भारी ओलावृष्टि

सादुलपुर। बदले मौसम के मिजाज के चलते शुक्रवार देर शाम को 6.00 बजे लगभग अचानक मौसम बदल गया तथा बादल छा गए एवं बादलों की गर्जना के साथ हल्की बूंदबांदी हुई। जो देखते ही देखते भारी ओलावृष्टि में तब्दील हो गई। वहीं आगनबाड़ी जिला अध्यक्ष सविता धोलिया ने बताया कि दरदेवा के आसपास अनेक ठामीणों क्षेत्र में ओलावृष्टि होने के समाचार मिले हैं। गांव रतनपुरा में लगभग 20 मिनट तक हुई बारिश के साथ ओले गिरे हैं। इसके अलावा दरदेवा गांव के आसपास के गांव धोलिया, धुवाड़ी, चिन्नपुरा, सेऊवा व रतनपुरा में जमकर ओलावृष्टि हुई है। ठामीणों ने बताया कि तेज बादलों की गर्जना साथ जमकर ओलावृष्टि होने से चने की फसलों को नुकसान हुआ है। गांव में विचरण करने वाले पशुओं को भी नुकसान पहुंचा है घर के आंगन और छत पर ओलो की चाद बिछ गई। ठामीणों ने बताया कि लगभग आधे घंटे बाद ठामीणों को कृषि और फावड़े से ओलो को हटाना पड़ा। ठामीणों ने बताया कि ओलावृष्टि उन्होंने नहीं देखी है। वहीं बैरासर बडा और बैरासर मंझला को रोही में जमकर ओलावृष्टि हुई है। नीबू के आकार के ओला गिरने से घरो के बाहर बंदे पशु धन को भारी नुकसान पहुंचा है।

हाई कोर्ट जस्टिस गणेश राम मीणा ने सूरौठ के बूढ़े बाबा मंदिर में की पूजा अर्चना, सर्व समाज के लोगों ने किया सम्मान

हिंडौन सिटी। राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर के जस्टिस गणेश राम मीणा ने शनिवार को सूरौठ कस्बे में पहुंच कर यहां आराध्य देव बूढ़े बाबा मंदिर में पूजा अर्चना की। इस दौरान सर्व समाज के लोगों ने जस्टिस मीणा का भव्य सम्मान किया। लोगों ने हाई कोर्ट जस्टिस मीणा को ज्ञापन सौंप कर सूरौठ तहसील मुख्यालय पर मुंशिफ कोर्ट खोलने की मांग की।

हाई कोर्ट जस्टिस गणेश राम मीणा शाम 4:30 बजे के करीब कस्बे में स्थित बूढ़े बाबा मंदिर परिसर पहुंचे। इस अवसर पर कस्बे के लोगों ने पुष्प वर्षा कर उनका अभिनंदन किया। जस्टिस मीणा ने बूढ़े बाबा की प्रतिमा के समक्ष डीक लगा कर मनोती मांगी तथा पूजा अर्चना की। इस मौके पर डुम्मा पटेल, सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश मुद्गल, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव देशराज मीणा, सूरौठ निवासी एसडीएम कुलचरण मीणा, जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव विश्राम मीणा, हिंडौन देहात ब्लॉक कांग्रेस के प्रवक्ता प्रमोद तिवाड़ी, केदार मीणा, प्रेम



राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर के जस्टिस गणेश राम मीणा का सूरौठ कस्बे में विभिन्न संगठनों ने सम्मान किया।

राज बाबू, एक सारथक नादान मीणा, सुग्रीव मीणा, ज्ञान मंभर, जीएसएस अध्यक्ष प्रेम राज मीणा, प्रहलाद जांगिड, किशन सोनी, लड़े मीणा, कांग्रेस के सूरौठ मंडल अध्यक्ष बतू मंभर, तोता

मीणा, सरदार मीणा, वेद प्रकाश शर्मा, प्रेम पटेल, बड़ी मास्टर, संपत कटकरिया, राजू सैनी शास्त्री, रिंकू मीणा, राहुल मीणा, जय सिंह मीणा, श्री मोहन मीणा, धर्म सिंह मास्टर, भय सिंह मीणा,

मंदिर के पुजारी हल्के मीणा, राजपाल सैनी, छट्टन खान, राजेश वकील, श्री मोहन मीणा, हरि सिंह सुबेदार सहित सर्व समाज के लोगों ने जस्टिस मीणा का साफ व मालाएं पहनाकर सम्मान किया।

शराब ठेके को हटाने की मांग

सादुलपुर। वार्ड 31 राजगढ़ में शिक्षण संस्थाओं तथा आबाद बस्तों के बीच चल रहे शराब ठेके के हटाने की मांग कर शुक्रवार को सैकड़ों लोगों ने आक्रोश जताया तथा एसडीएम को लिखित शिकायत की है। शाम पांच बजे के करीब सौंपे ज्ञापन में लोगों ने बताया कि शराब ठेके के कारण लोगों का जीना मुश्किल हो गया है तथा भावी पीढ़ियों के पविष्य पर बुरा असर पड़ रहा है। अनेकों शिकायतों के बावजूद अस्थायी रूप से चल रहे ठेके को संबंधित विभाग तथा प्रशासन की ओर से हटाने की कार्रवाई नहीं हो रही है, जिसके कारण मोहल्ले के लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। वार्ड संख्या 31 के निवासियों ने बताया कि वार्ड नंबर 31 राजगढ़ में शहर की वर्षों पुरानी नेहरू बाल मंदिर शिक्षण संस्थान तथा रुक्मिणी देवी बालिका स्कूल के पास आबाद बस्तों में एक शराब ठेका चलाया जा रहा है। आम प्रमुख रास्ते पर दिन भर अनेक प्रमुख मोहल्ले के लोगों सहित स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों तथा महिलाओं का आवागमन बना रहता है। तथा शराब ठेके पर शराब खरीदने और पीने तथा असामाजिक तत्वों का जमावडा रहने से आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

मोबाइल चोरी के गिरोह का पर्दाफाश

निवाई। निवाई के झिलाय रोड पर स्थित गोपी टावर में 9 फरवरी को दो मोबाइल की दुकानों में हुई मोबाइल चोरी सहित जिले के 5 स्थानों पर मोबाइल की दुकानों पर हुई चोरी की वारदातों का पुलिस थाना निवाई में पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए खुलासा किया है।

उन्होंने बताया कि 9 फरवरी की रात्रि को चोरों ने जिले में पांच मोबाइल की दुकानों को निशाना कर करीब 40 लाख के मोबाइल चुराए थे। उन्होंने बताया कि चोरों को पकड़ने में डीएसटी टीम व साइबर सेल टॉक की विशेष भूमिका रही है। एसपी सांगवान ने बताया कि शांति चोरों को पकड़ने के लिए पुलिस द्वारा गठित पांच विशेष टीमों द्वारा चार राज्यों में लगभग 2 हजार किलोमीटर तक चोरों की तलाश करते हुए 400 सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसके बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। वारदात का निवारण देते हुए एसपी सांगवान ने बताया कि जिले में एक ही रात में अलग-अलग थाना क्षेत्र के मोबाइल की तीन दुकानों के शट टोडकर लगभग 40 लाख रुपए के मोबाइल ले जाने

■ एक हरियाणा व दूसरा उत्तर प्रदेश का है निवासी

सहित राज्य के विभिन्न स्थानों की लगभग आधा दर्जन वारदातों का खुलासा हुआ है। पुलिस ने चोरों द्वारा चोरी किए गए 140 एंड्राइड मोबाइल तथा घटना में प्रयुक्त वाहन ब्रेजा कार व चोरी की हुई नंबर प्लेट को भी बरामद किया है।

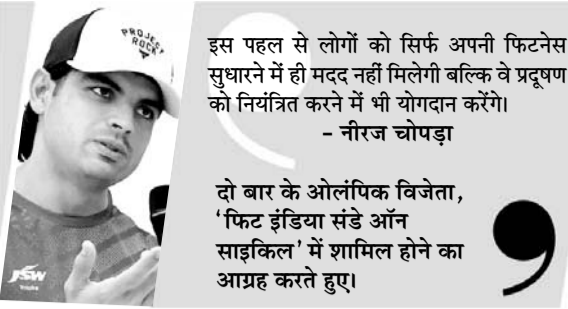
उन्होंने बताया कि घटना में एडिशनल एसपी बृजेंद्र सिंह भाटी के निर्देशन में डीवाईएसपी मृत्युंजय मिश्रा के निकट सुपरविजन में टीमों को गठित किया गया था। पुलिस ने आरोपी सलमान खान पुत्र इलियास खान जाति हेतु 41 वर्ष निवासी मोहल्ला मोहड़ा, ग्राम उटावड़ जिला पलवल हरियाणा व आरोपी महेश गौयल पुत्र मनोहरलाल उम्र 38 वर्ष निवासी फाएम 764 गविंद नगर पुलिस थाना मथुरा उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि शेष आरोपियों को भी जल्द से जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।



मौजूदा विश्व चैंपियन भारत के डी गुकेश फिडे की जारी नवीनतम क्लासिकल रेटिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ तीसरी रैंकिंग पर पहुंच गए, जबकि हमवतन आर प्रज्ञानानंदा फिर से शीर्ष 10 में वापसी करने में सफल रहे। गुकेश दिसंबर में सिंगापुर में चीन के डिंग लियेन को हराकर विश्व खिताब

क्या आप जानते हैं? ... भारत का ओलंपिक इतिहास में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी रहा है, जिसमें उसने 142 मैचों में से 87 में जीत हासिल की है।

जीतने के बाद से शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। 18 साल के इस खिलाड़ी ने इस दौरान 10 रेटिंग अंक हासिल किए हैं। अब उनके नाम कुल 2787 रेटिंग अंक हो गये हैं। गुकेश हाल ही में विज्ज आन जी में टाटा स्टील मास्टर्स को टाईब्रेक में प्रज्ञानानंदा से हार गए थे।



इस पहल से लोगों को सिर्फ अपनी फिटनेस सुधारने में ही मदद नहीं मिलेगी बल्कि वे प्रदूषण को नियंत्रित करने में भी योगदान करेंगे।

- नीरज चोपड़ा

दो बार के ओलंपिक विजेता, 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' में शामिल होने का आग्रह करते हुए।

धुव-तनिषा जर्मन ओपन के सेमीफाइनल में

जर्मनी, 1 मार्च। भारत के ध्रुव कपिला और तनीषा क्रैस्टो ने शुक्रवार को पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के गाओ जिया जुआन और वू मंग थिंग को सीधे गेम में हराकर जर्मन ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पेरिस



2024 ओलंपियन तनीषा क्रैस्टो और उनके मिश्रित युगल साथी ध्रुव कपिला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी जोड़ी को केवल 30 मिनिट में 21-14, 21-17 से हरा दिया। कपिला और क्रैस्टो ने शानदार शुरुआत करते हुए शुरुआती गेम में 11-2 की बढ़त बना ली। हालाँकि गाओ और वू ने थोड़े समय के लिए वापसी करते हुए अंतर को 13-10 तक कम कर दिया, लेकिन भारतीय जोड़ी ने तेजी से अपना दबदबा कायम करते हुए पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम कड़ा मुकाबला साबित हुआ, जिसमें चीनी जोड़ी ने जोरदार प्रतिरोध किया। हालाँकि, कपिला और क्रैस्टो ने जीत हासिल करने और सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के लिए अपना हौसला बरकरार रखा। इस बीच, पुरुष एकल में, विश्व में 59वें स्थान पर मौजूद भारत के थारुन मन्नेपल्लो, फ्रांस के तीसरी वरीयता प्राप्त टोमा जुनियर चोपेव से कड़े मुकाबले में 16-21, 21-17, 21-8 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

नेमार विश्व कप त्वालीफायर के लिए ब्राजील टीम में शामिल

रियो डी जनेरियो, 1 मार्च। ब्राजील फुटबॉल परिषद (सीबीएफ) ने नेमार को कोलंबिया और अर्जेंटीना के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के लिए ब्राजील की प्रारंभिक टीम में शामिल किया है।



33 वर्षीय खिलाड़ी ने अक्टूबर 2023 में मोटेडोवियो में उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के दौरान अपने बाएं घुटने में क्रूसिएट लिगामेंट के टूटने के बाद से अपने देश का प्रतिनिधित्व नहीं किया है। लंबी पुनर्प्राप्ति प्रक्रिया के बाद नेमार ने पिछली जनवरी में एक क्लब की ओर से खेलते हुये अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म को झलक दिखाई है। ब्राजील के मैनेजर डोरेवेल जुनियर ने रियल बेडिस के विंगर एंटनी, किशोर रियल मैड्रिड के फॉर्बर्ड एडिंक और एट्लेटिको को मैड्रिड के सेम्युअल लिनो को भी शामिल किया है। इनके अलावा अनुभवी मिडफील्डर ऑल्बर और साओ पाउलो टीम के साथी लुकास मौरा को भी शामिल किया गया है। 52 सदस्यीय सूची में रियल मैड्रिड के विनीसियस जुनियर और रोड्रिगो, न्यूकैसल के एनफोर्सर ब्रूनो गिमेरस और बार्सिलोना के विंगर रफिन्हा शामिल हैं।

सेमीफाइनल से पहले शॉर्ट की चोट ने बढ़ायी ऑस्ट्रेलिया की चिंता

लाहौर, 1 मार्च। सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट की चोट ने ऑस्ट्रेलिया टीम प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले से पहले उन्हे अपनी टीम में फेरबदल करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। शुक्रवार को लाहौर में अफगानिस्तान के खिलाफ मैच बारिश की पेंच चढ़ जाने के दौरान सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट को चोट लग गई थी। क्षेत्ररक्षण के दौरान शॉर्ट को पिंडली में चोट लग गई और बारिश के कारण मैच रद्द होने से पहले शीर्ष क्रम में 20 रन की अपनी संक्षिप्त पारी के दौरान वह लंगड़ाते दिखे। कोई नतीजा नहीं निकलने के बावजूद, ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला भारत या न्यूजीलैंड से होगा। भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने की स्थिति में ऑस्ट्रेलिया को नॉकआउट मुकाबले के लिए दुर्बल जाना होगा। कप्तान स्टीव स्मिथ ने संकेत दिया कि हार्ड-स्टेक्स मुकाबले के लिए शॉर्ट के समय पर ठीक होने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि वह चोट से उबरने की कोशिश कर रहे हैं। हमने आज रात देखा कि वह बहुत अच्छी तरह से नहीं चल रहा था, और मुझे लगता है कि शायद उसे ठीक होने के लिए खेल के बीच बहुत जल्दी हो जाएगा।

भारत, ऑस्ट्रेलिया व द. अफ्रीका के बीच आज से शुरू होगी बधिर् टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला

नई दिल्ली, 1 मार्च। भारत, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की बधिर् टीमों के बीच रविवार से नयी दिल्ली के कर्नैल सिंह स्टेडियम में बहुप्रतीक्षित टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला खेली जायेगी। इस त्रिकोणीय श्रृंखला का आयोजन भारतीय बधिर् क्रिकेट संघ (आईडीसीए) की ओर से किया जा रहा है। भारत, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया की अंतरराष्ट्रीय बधिर् क्रिकेट टीमों दो से आठ मार्च तक होने वाली श्रृंखला में भाग लेंगी। त्रिकोणीय श्रृंखला के बाद, भारतीय बधिर् क्रिकेट टीम 10 से 12 मार्च तक ऑस्ट्रेलिया के साथ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला खेलेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार अखिल भारतीय पुरुष चयन समिति द्वारा चुनी गयी भारतीय बधिर् क्रिकेट टीम की अगुवाई वीरेंद्र सिंह करेंगे। टी-20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय सीरीज की शुरुआत भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच कल होने मैच से होगी और इसमें छह लीग मैच खेले जायेंगे। त्रिकोणीय श्रृंखला का फाइनल आठ मार्च को होगा। इस अवसर पर आईडीसीए के अध्यक्ष सुमित जैन ने कहा, यह त्रिकोणीय सीरीज विशेष महत्व रखती है, क्योंकि यह खेल की सच्ची भावना को प्रदर्शित करती है और तीन प्रमुख क्रिकेट देशों की बधिर् क्रिकेट टीमों के बीच एक रोमांचक मुकाबला होगा।

ग्रुप-ए में शीर्ष स्थान के लिये होगी भारत-न्यूजीलैंड में टक्कर

दुबई, 1 मार्च। चैंपियंस ट्रॉफी में सेमीफाइनल में अपना स्थान बना चुकी भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल करने के साथ मनोवैज्ञानिक बढ़त लेने की टक्कर होगी। न्यूजीलैंड आईसीसी टूर्नामेंटों में लगातार एक मजबूत ताकत साबित हुआ है और इस संस्करण में उनका प्रदर्शन कोई अपवाद नहीं रहा है। कीवी टीम ने अपने अभियान की शुरुआत मेजबान पाकिस्तान पर शानदार जीत के साथ की और इसके बाद बांग्लादेश के खिलाफ शानदार जीत हासिल की। दूसरी ओर, भारत ने बांग्लादेश पर बड़ी जीत के साथ अपना दबदबा दिखाया, इससे पहले विराट कोहली की मास्टरक्लास पारी ने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को टूर्नामेंट से जल्द ही बाहर का रास्ता दिखा दिया।



दोनों टीमों ने अपनी खेल योजनाओं को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया है, प्रमुख खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण क्षणों में आगे बढ़कर काम किया है। माइकल ब्रेसवेल ने बांग्लादेश पर न्यूजीलैंड की जीत में शानदार भूमिका निभाई, उन्हें बाद बांग्लादेश के खिलाफ शानदार जीत हासिल की। दूसरी ओर, भारत ने बांग्लादेश पर बड़ी जीत के साथ अपना दबदबा दिखाया, इससे पहले विराट कोहली की मास्टरक्लास पारी ने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को टूर्नामेंट से जल्द ही बाहर का रास्ता दिखा दिया।

चुन सकता है। हालाँकि, फॉर्म में चल रहे कोहली की मौजूदगी मिशेल सेंटनर की अगुवाई वाली न्यूजीलैंड की गेंदबाजी के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। भारत के पूर्व कप्तान की पाकिस्तान के खिलाफ शानदार पारी ने बड़े मंच पर अच्छा प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता की पुष्टि की। इस बीच, रवींद्र न्यूजीलैंड के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ 25 वर्षीय खिलाड़ी की मैच जिताऊ 112 रन की पारी ने आईसीसी टूर्नामेंटों में आगे बढ़ने की उनकी क्षमता को दिखाया है, जो इस तरह के आयोजनों में उनका चौथा शतक है। उनकी फॉर्म कीवी टीम के लिए महत्वपूर्ण होगी क्योंकि वे भारतीय आक्रमण को चुनौती देना चाहेंगे। दोनों टीमों के पास जबरदस्त गेंदबाजी आक्रमण है। जहां ब्रेसवेल और विलियम ओरुके ने न्यूजीलैंड की कमान संभाली है, वहीं भारत ने शमी और हार्थित राणा की तेज गेंदबाजी जोड़ी पर भरोसा किया है।

आगामी मुकाबला दोनों पक्षों के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षा के रूप में काम करेगा। भारत के उप-कप्तान शुभम गिल टूर्नामेंट के असाधारण बल्लेबाजों में से एक रहे हैं। 25 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने अभियान की शुरुआत बांग्लादेश के खिलाफ शतक के साथ की और इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ महत्वपूर्ण 46 रन बनाए। अतीत में न्यूजीलैंड के खिलाफ उल्लेखनीय प्रदर्शन करने के बाद गिल के 2023 विश्व कप सेमीफाइनल में नाबाद 80 रन भी शामिल है। न्यूजीलैंड ने आईसीसी आयोजनों में भारत को परेशान किया है, लेकिन भारतीय टीम ने 2023 में अपनी सेमीफाइनल जीत के साथ उस सिलसिले को समाप्त कर दिया। दोनों टीमों के सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ, आगामी प्रतियोगिता ग्रुप लीडर का निर्धारण करेगी। भारत अपने मौजूदा फॉर्म के साथ बढ़त बनाए हुए है और उसका लक्ष्य अजेय क्रम बनाकर रखना होगा। मैच रविवार को दोपहर ढाई बजे शुरू होगा।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में टकराएंगे भारत-ऑस्ट्रेलिया? दोहराया जाएगा 2023 वर्ल्ड कप



दुबई, 1 मार्च। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के तीन सेमीफाइनलिस्ट सामने आ चुके हैं। जबकि चौथी टीम का नाम भी लगभग तय हो चुका है। टीम इंडिया के बाद न्यूजीलैंड और अब ऑस्ट्रेलिया ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। चौथी टीम साउथ अफ्रीका हो सकती है। साउथ अफ्रीका को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए हार भी मंजूर होगी, लेकिन इंग्लैंड की टीम इस मैच को 207 रन से ज्यादा के अंतर से नहीं जीतनी चाहिए। ऐसे में कहा जा सकता है कि वर्ल्ड कप 2023 दोहराया जा सकता है। वर्ल्ड कप 2023 की सेमीफाइनलिस्ट टीमों में भारत, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड की टीम थी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी यही चार टीमों सेमीफाइनल में पहुंचने वाली हैं। जिनमें से टीम इंडिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का नाम कन्फर्म हो गया है, जबकि साउथ अफ्रीका की टीम को इंग्लैंड को हराने की जरूरत है। इसके लिए साउथ अफ्रीका को ध्यान में ये रखना है कि अगर इंग्लैंड ने 300 रन बनाए तो 207 या इससे ज्यादा रनों से हार नहीं मिलनी चाहिए। इसके अलावा अगर साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी की ओर 300 रन बनाए तो इंग्लैंड की टीम को 11.1 ओवर में उस टारगेट को चेज नहीं करने देना चाहिए। अगर इससे बच जाती है और साउथ अफ्रीका की टीम मुकाबला हार भी जाती है तो भी सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी, क्योंकि साउथ अफ्रीका के तीन पॉइंट रहेंगे और अफगानिस्तान से नेट रन रेट बेहतर रहेगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ शमी को मिल सकता है आराम, अर्शदीप को मौका



दुबई, 1 मार्च। न्यूजीलैंड की टीम में पांच खम्बू बल्लेबाजों की मौजूदगी और पाकिस्तान के खिलाफ मैच में मोहम्मद शमी को पिंडली में हुई हल्की परेशानी के कारण भारतीय टीम प्रबंधन रविवार को चैंपियंस ट्रॉफी के मैच में इस अनुभवी तेज गेंदबाज को आराम देकर अर्शदीप सिंह को उतार सकता है। शुक्रवार को अभ्यास सत्र को संकेत माने तो पंजाब के तेज गेंदबाज अर्शदीप इस मैच में शमी की जगह खेल सकते हैं। उन्होंने गेंदबाजी की च मोर्कल के साथ काफी अभ्यास किया और 13 ओवर डाले। शमी ने छोटे रनअप के साथ सिर्फ छह सात ओवर फेंके। पाकिस्तान के खिलाफ 23 फरवरी के मैच में शमी को तीसरे ओवर के बाद ही फिजियो से दाहिने पैर में उपचार कराना पड़ा था। अभ्यास सत्र के दौरान खिलाड़ियों के हावभाव से लग रहा था कि भारत सेमीफाइनल से पहले शमी को ब्रेक दे सकता है। केपल राहुल ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि विजयो संयोजन में बदलाव होगा या नहीं , कहा नहीं जा सकता लेकिन सहायक कोच रिचान टेन डोइशे ने शाम को संकेत दिया कि गेंदबाजी संयोजन में बदलाव हो सकता है।

बेंगलुरु ओपन : उभरते सितारों को मिला पेशेवरों से प्रशिक्षण का मौका

बेंगलुरु, 1 मार्च। बेंगलुरु के 60 से अधिक उभरते टेनिस खिलाड़ियों को शनिवार को 2025 दाफान्यूज बेंगलुरु ओपन के मौके पर केएसएलटीए टेनिस स्टेडियम में आयोजित टेनिस क्लिनिक में पेशेवरों से सीखने का अनूदा अवसर मिला। 38वें राष्ट्रीय खेलों के स्वर्ण पदक विजेता निका कालियांदा पूनाचा और एसडी प्रज्वल देव के साथ-साथ वर्तमान संस्करण के युगल फाइनलिस्ट ब्लेक बेयल्डन और मैथ्यू क्रिस्टोफर रोमियोस ने युवा खिलाड़ियों को टिप्स प्रदान की। क्लिनिक में एक प्रश्नोत्तर सत्र, लाइव ट्रेनिंग और व्यावहारिक कोचिंग की सुविधा थी, जिससे युवा एथलीटों को अनुभवी पेशेवरों के साथ जुड़ने का मौका मिला। प्रतिभागियों को फिटनेस, पोषण, प्रशिक्षण दिनचर्या और मैच की तैयारी पर मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, भारत में टेनिस के बढ़ते कद पर पूनाचा ने अपना उत्साह व्यक्त किया और कहा राष्ट्रीय खेलों में कर्नाटक के लिए प्रतिनिधित्व करना और पदक जीतना वास्तव में अच्छी बात है। मैंने देखा है कि युवा खिलाड़ियों का स्तर ऊंचा हो रहा है। वे बेहतर तैयार हैं। उसके कुछ दिनों बाद, यहां इतने सारे बच्चों को सीखने के लिए उत्सुक, सुधार करने के लिए उत्सुक देखा एक अच्छा संकेत है। यह हमें भविष्य के लिए एक मजबूत मंच देता है।

इंग्लैंड को रौंदकर दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस ग्रुप-बी के शीर्ष पर



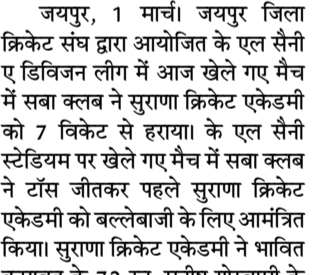
कराची, 1 मार्च। मार्क यानसन (39 रन पर तीन विकेट) और विगत मुल्दर (25 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद रासी वान दर दुसें (72 नाबाद) और हाइनरिक क्लासन (64) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को चैंपियंस ट्राफी ग्रुप बी में इंग्लैंड

को सात विकेट से रौंद कर अपना अभियान शीर्ष पर रह कर समाप्त किया। इस मुकाबले से पहले ही दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में अपनी जगह बना चुका है। इंग्लैंड ने 38.2 ओवर के खेल में 179 रन बनाये थे जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने विजय लक्ष्य 29.1 ओवर में तीन विकेट

खोकर हासिल कर लिया। दक्षिण अफ्रीका ने आज अपने अनुशासित खेल से इंग्लैंड को खेल के किसी भी विभाग में प्रदर्शन का मौका नहीं दिया। नियमित कप्तान टेम्बा बावुवा की बीमारी के कारण एडेन मार्कराम को टीम की कमान दी गयी थी मगर हैमस्ट्रिंग के कारण वह भी बीच खेल में मैदान छोड़ कर चले गये। इन सबके बावजूद दक्षिण अफ्रीका के प्रदर्शन में कोई कमी नजर नहीं आयी और उन्होंने बेहद आसानी से मैच को अपने पक्ष में कर लिया।

सलामी जोड़ी के रूप में ट्रिस्टन स्टब्स (0) और रायन रिंकलटन (27) के जल्दी आउट होने के बाद दुसें और क्लासन ने रन बनाने की कोई जल्दी नहीं दिखायी और आसानी से विजय लक्ष्य के करीब टीम को पहुंचा दिया। क्लासन आदिल रशीद की गेंद पर आउट हुये। इससे पहले इंग्लैंड की ओर से जो रुट ने सर्वाधिक 37 रनों का निजी योगदान दिया जबकि बेन डकेट (24),कप्तान जांस बटलर (21) और जोफ्रा अर्चर 25 रन ही जोड़ सके। इंग्लैंड के चार खिलाड़ी अपने निजी स्कोर को दहाई के अंक तक पहुंचाने से पहले ही अपना विकेट गंवा बैठे।

सबा वलब ने सुराणा क्रिकेट एकेडमी को हराया यथार्थ भारद्वाज ने नाबाद 99 रन बनाए



जयपुर, 1 मार्च। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एल सैनी ए डिविजन लीग में आज खेले गए मैच में सबा क्लब ने सुराणा क्रिकेट एकेडमी को 7 विकेट से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मैच में सबा क्लब ने टॉस जीतकर पहले सुराणा क्रिकेट एकेडमी को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। सुराणा क्रिकेट एकेडमी ने भावित कुमावत के 72 रन, मनीष गोस्वामी के 31 रन, अभिषेक यादव के 42 रन, प्रशांत यादव के 20 रन, अनिल सैनी के 19 रन नाबाद से 33.4 ओवर में 3 विकेट पर 232 रन बनाकर मैच जीत लिया। सुराणा क्रिकेट एकेडमी के लिए अभिषेक यादव ने 19 पर 2 व शक्ति चौहान ने 42 पर एक विकेट लिया। मैच के दौरान पूर्व रणजी



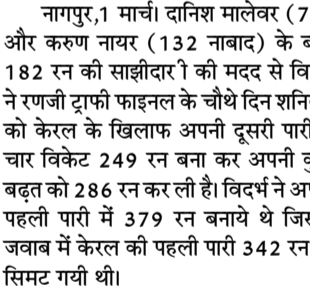
ने मोहम्मद कैफ के 35 रन, आयुष आमेरिया के 56 रन, यथार्थ भारद्वाज के नाबाद 99 रन व नावेद खान के 30 रन नाबाद से 33.4 ओवर में 3 विकेट पर 232 रन बनाकर मैच जीत लिया। सुराणा क्रिकेट एकेडमी के लिए अभिषेक यादव ने 19 पर 2 व शक्ति चौहान ने 42 पर एक विकेट लिया। मैच के दौरान पूर्व रणजी क्लब के मध्य मैच खेला जाएगा।

कप्तान विनोद माथुर ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ए डिविजन लीग के आयोजित होने से जयपुर के खिलाड़ियों को अपने वाले क्रिकेट सीजन में अवश्य फायदा मिलेगा। 2 मार्च को के एल सैनी स्टेडियम पर राजीव गांधी क्लब बनाम सबा क्लब मैच खेला जाएगा।

प्राग मास्टर्स में प्रज्ञानानंदा ने पहली जीत दर्ज की, अरविंद ने एकल बढ़त हासिल की

प्राग, 1 मार्च। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने चेक गणराज्य के एगुयेन थार्ड डाई वान के खिलाफ आसान जीत दर्ज की जबकि हमवतन अरविंद चित्तबरन ने प्राग मास्टर्स के तीसरे दौर में चीन के शीर्ष वरिय चेई यी को हराकर एकल बढ़त हासिल की। टूर्नामेंट के प्रबल दावेदारों में से एक प्रज्ञानानंदा ने 14वें चाल में यह प्रभावशाली जीत दर्ज की। पहले दो दौर में दो ड्रा खेलने के बाद उनके लिए यह जीत अहम रही। उन्होंने अपने प्रदर्शन के बारे में कहा, “कल (दूसरा दौर) कुछ खास नहीं था। पहले दौर में मेरी स्थिति अच्छी थी। ” प्रज्ञानानंदा की यह पहली जीत रही जबकि हमवतन अरविंद चित्तबरनर लाइव रेटिंग में दुनिया के शीर्ष 20 खिलाड़ियों में प्रवेश करने के बाद पहली बार एलीट टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। अरविंद के इस जीत से तीन में से 2.5 अंक हो गए।

नायर के नाबाद शतक से विदर्भ मजबूत स्थिति में



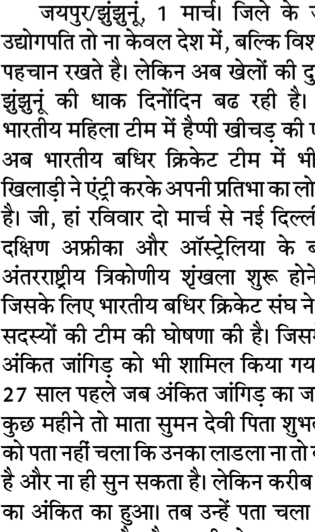
नागपुर,1 मार्च। दानिश मालेवर (75) और करुण नायर (132 नाबाद) के बीच 182 रन की साझेदारी की मदद से विदर्भ ने रणजी ट्राफी फाइनल के चौथे दिन शनिवार को केरल के खिलाफ अपना दूसरी पारी में चार विकेट 249 रन बना कर अपनी कुल बढ़त को 286 रन कर ली है। विदर्भ ने अपनी पहली पारी में 379 रन बनाये थे जिसके जवाब में केरल की पहली पारी 342 रन पर सिमट गयी थी।



मालेवर और नायर की जोड़ी पहली पारी में भी हिट रही थी और दोनो ने टीम को संकट से उबारते हुये चौथे विकेट के लिये 215 रन जोड़े थे। पहली पारी के शतकीय मालेवर का विकेट अक्षय चंदन ने निकाल कर अपनी टीम को सांस लेने का मौका दिया। हालाँकि करुण नायर की मौजूदगी केरल के लिये संकट का

झुंझुनू का अंकित जांगिड़ भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल

भारतीय बधिर् क्रिकेट संघ ने की टीम की घोषणा, आज से नई दिल्ली में शुरू होगी अंतर्राष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला



जयपुर/झुंझुनू, 1 मार्च। जिले के जवान और उद्योगपति तो ना केवल देश में, बल्कि विश्व में अपनी पहचान रखते हैं। लेकिन अब खेलों की दुनिया में भी झुंझुनू की धाक दिनोंदिन बढ़ रही है। अंडर-20 भारतीय महिला टीम में हैथी खोचड़ की एंटी के बाद अब भारतीय बधिर् क्रिकेट टीम में भी झुंझुनू के खिलाड़ी ने एंटी करके अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। जी, हॉ रविवार दो मार्च से नई दिल्ली में भारत, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला शुरू होने वाली है। जिसके लिए भारतीय बधिर् क्रिकेट संघ ने अपनी 16 सदस्यों की टीम की घोषणा की है। जिसमें झुंझुनू से अंकित जांगिड़ को भी शामिल किया गया है। करीब 27 साल पहले जब अंकित जांगिड़ का जन्म हुआ तो कुछ महीने तो माता सुमन देवी पिता शुभदान जांगिड़ को पता नहीं चला कि उनका लाडला ना तो बोल सकता है और ना ही सुन सकता है। लेकिन करीब पांच महीने का अंकित का हुआ। तब उन्हें पता चला कि अंकित ना सुन सकता है और ना ही बोल सकता है। पहला बेटा था। ऐसे में यह सुनकर परिवार के लोगों को बुरा तो जरूर लगा। लेकिन इसे भावाना का प्रसाद ही मानकर पालने का जिम्मा उठाया। अंकित जब चार



साल का हुआ तो उसे श्रीगंगानगर की एक मूक बधिर् स्कूल में दाखला दिववाया। 11 साल अंकित श्रीगंगानगर रहा और वहां पर उसने आठवीं तक की

पढाई की। इसके बाद नौ से एमए तक की पढाई जयपुर में की। इसी दौरान अंकित क्रिकेट खेलने लगा और कई राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में ना केवल अपने बल्ले से कमाल दिखाया। बल्कि बॉलिंग भी शामिल है। हाल ही में दोनो सालों से झुंझुनू में ही परिवार के साथ रहते हुए जीवेम क्रिकेट एकेडमी में तैयारी कर रहा है।

हले त्रिकोणीय श्रृंखला, फिर तीन मैचों की वन डे सीरिज भी

अंकित का चयन अब भारतीय बधिर् क्रिकेट संघ द्वारा घोषित की गई भारतीय टीम के लिए हुआ है। हालाँकि अंकित को मैदान में उतरने का मौका मिलेगा या नहीं, यह अभी साफ नहीं है। लेकिन अंकित अब बधिर् क्रिकेट दुनिया के उन 16 भारतीयों में शामिल हो गया है। जो ना केवल देश की जमीन पर, बल्कि विदेशी जमीन पर भारत का नेतृत्व करेंगे। हाल ही में जो टीम घोषित की गई है। वह टीम भारत, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला दो से 8 मार्च तक नई दिल्ली में तथा 10 से 12 मार्च तक

ऑस्ट्रेलिया के साथ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला खेलेगी। अखिल भारतीय पुरुष चयन समिति द्वारा बधिर् टीम का चयन किया गया। टीम का नेतृत्व वीरेंद्र सिंह करेंगे। जिसमें झुंझुनू का अंकित भी शामिल है। अंकित पिछले दो-तीन सालों से झुंझुनू में ही परिवार के साथ रहते हुए जीवेम क्रिकेट एकेडमी में तैयारी कर रहा है।

आईसीसी और बीसीसीआई कर रहा सपोर्ट

भारतीय बधिर् क्रिकेट संघ, बधिर् अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद डीआईसीसी का सदस्य है। डीआईसीसी दुनिया भर में श्रवण बाधित एथलीटों के बीच क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद आईसीपी के साथ मिलकर काम करता है। भारत में इस संघ को बीसीसीआई, यानि कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड भी सपोर्ट करता है। अंकित की इस उपलब्धि पर ना केवल परिवार के सदस्यों, बल्कि पूरे झुंझुनू को नाज है। साथ ही अंकित ने यह साबित किया है कि दिव्यांग होना एक अधिशाष नहीं है। हम दिव्यांगता के साथ भी वो मुकाम हासिल कर सकते हैं। जिसके सपने एक आमजन देख सकता है।

रॉयल चैलेंजर्स ने दिल्ली को दी 148 रन बनाने की चुनौती

बेंगलुरु, 1 मार्च। एलिस पेरी (60 नाबाद) की अर्धशतकीय पारी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने शनिवार को सुमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूएल) के एक मैच में चार विकेट पर 147 रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा कर लिया। पेरी ने राघवी विष्ट (33) के साथ तीसरे विकेट के लिये 66 रन की भागीदारी की। उन्होंने अपनी नाबाद अर्धशतकीय पारी के दौरान 47 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के लगाये। राघवी के आउट होने के बाद बेंगलुरु की रन गति धीमी रही और आधिरी 23 गेंदों में टीम 28 रन ही जोड़ सकी। बेंगलुरु की कप्तान स्मृति मंधाना का बल्ला आज नहीं चला और वह मात्र आठ रन का ही योगदान दे सकी। डेनियल वायट ने 21 रन बनाये। दिल्ली के लिये शिखा पांडे और श्रीचरणी ने दो दो विकेट चटकये। मरीजान कॉप को एक विकेट मिला।

मनन कुमार मिश्रा लगातार सातवीं बार बी.सी.आई. अध्यक्ष निर्वाचित

नई दिल्ली, 01 मार्च। बार काउंसिल ऑफ इंडिया यानी बीसीआई ने शनिवार 01 मार्च को घोषणा की कि भारत के सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और संसद सदस्य (राज्यसभा) मनन कुमार मिश्रा को लगातार सातवें कार्यकाल के लिए बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष के रूप में फिर से निर्वाचित चुना गया है। जारी किए गए एक बयान में कहा गया है कि भारत के लगभग 27 लाख जीवित कानूनी बिरादरी के निर्वाचित प्रतिनिधियों ने एक बार फिर उनके

■ अधिवक्ता मनन कुमार मिश्रा बार काउंसिल ऑफ इंडिया के निर्वाचित अध्यक्ष चुने गए हैं जो एक रिकॉर्ड है।

प्रतिष्ठित नेतृत्व में अपने विश्वास की पुष्टि की है। सातवें कार्यकाल के लिए अपने फिर से चुने जाने की घोषणा के तुरंत बाद, मिश्रा ने अपने निरंतर विश्वास और समर्थन के लिए पूरे कानूनी बिरादरी के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कानूनी समुदाय की सेवा करने के अपने अडिग संकल्प की पुष्टि की और अधिवक्ताओं के कल्याण के लिए अपने समर्पण पर जोर दिया। मनन कुमार मिश्रा ने आगे कहा कि अधिवक्ता संशोधन विधेयक पेश किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने भरतपुर सर्किट हाउस में जन सुनवाई की

कई सामाजिक संगठनों ने बजट में भरतपुर व डीग को दी गई सौगातों के लिए आभार जताया

भरतपुर/जयपुर, 1 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की भरतपुर यात्रा के दौरान, शनिवार को जिले के विभिन्न सामाजिक संगठनों ने सर्किट हाउस में उनसे मुलाकात की। संगठनों के प्रतिनिधियों एवं आमजन ने राज्य बजट, 2025-26 में भरतपुर एवं डीग जिले को दी गई सौगातों के लिए शर्मा का आभार भी जताया। इस दौरान, नन्दे जूडो कराटे खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की तथा प्रतियोगिता में जीते अपने मैडल उन्हें

■ मुख्यमंत्री ने जन सुनवाई में सामने आयी आमजन की समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिये।

दिखाए। मुख्यमंत्री ने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस में जनसुनवाई भी की और संबंधित अधिकारियों को आमजन की समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को भरतपुर दौरे पर रहे। जिले के विभिन्न सामाजिक संगठनों व आमजन ने सर्किट हाउस में उनसे मुलाकात की और बजट में भरतपुर एवं डीग जिले को दी गई सौगातों के लिए आभार जताया।

दिए। इस अवसर पर गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेदम, विधायक बहादुर सिंह कोली, डॉ. शैलेश सिंह, डॉ. ऋतु

बनावत सहित, विभिन्न जनप्रतिनिधि, लघु उद्योग भारती, बूज हनी, ब्रह्माकुमारी संस्था के सदस्य, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और आमजन

उपस्थित थे। इससे पहले भरतपुर पहुंचने पर हैलीपेड पर मुख्यमंत्री शर्मा का स्थानीय जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वागत किया।

तेलंगाना: टनल में फंसे 4 लोगों की लोकेशन मिली

नागरकुनूल, 01 मार्च। तेलंगाना टनल हादसे में शनिवार को बड़ा अपडेट सामने आया है। यहां टनल ढ हने के बाद सप्ताह भर से जारी बचाव अभियान के दौरान शनिवार को एक सफलता तब मिली, जब इसमें फंसे कुल आठ लोगों में से चार के 'लोकेशन' का पता लगा लिया गया। यह जानकारी तेलंगाना के आबकारी मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने दी। सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी के साथ बचाव अभियान में शामिल अधिकारियों की बैठक में शामिल कृष्ण राव ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में

■ तेलंगाना के आबकारी मंत्री जे.कृष्ण राव ने कहा, उम्मीद है कि इन्हें बचा लिया जाएगा।

काफी प्रगति हुई है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि मेरे विचार से रडार के जरिए चार लोगों के लोकेशन का पता लगा लिया गया है।

मंत्री ने उम्मीद जताई कि रविवार शाम तक उन्हें बाहर निकाल लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि अन्य चार लोग सुरंग खोदने की मशीन (टोबीएम) के नीचे फंसे हुए हैं। जिन चार लोगों के बारे में पता चला है, उनकी स्थिति के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने याद दिलाया कि उन्होंने पहले ही दिन कहा था कि बचने की संभावना बहुत कम है।

'दिल्ली में 31 मार्च के बाद 15 साल पुराने वाहनों को डीजल-पेट्रोल नहीं मिलेगा'

नयी दिल्ली, 01 मार्च। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को कहा कि दिल्ली में सभी पेट्रोल पम्पों पर 15 साल पुराने वाहनों को 31 मार्च के बाद इंधन भरवाने पर रोक रहेगी।

सिरसा ने प्रदूषण नियंत्रण को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक के बाद, पत्रकारों से आज कहा कि 15 साल पुराने सभी वाहनों को तेल देना बंद कर दिया जाएगा।

इसके लिए पेट्रोल पम्पों पर ऐसे उपकरण लगाये जा रहे हैं, जो 15 साल पुराने वाहनों की पहचान कर लेंगे। अब तक 80 फीसदी पेट्रोल पम्पों पर ऐसे उपकरण लगाये जा चुके हैं और 31 मार्च तक सभी पम्पों पर ऐसे उपकरण लगा लिये जाएंगे।

उन्होंने कहा कि राजधानी में 15 साल पुराने वाहनों की पहचान के लिए एक टीम बनाई जाएगी। यह टीम 15 साल पुराने वाहनों को दिल्ली में आने से रोकने के साथ-साथ, यहां के पुराने वाहनों को दिल्ली से बाहर करने का काम करेगी।

सिरसा ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए पौधारोपण कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों को जोड़ा जाएगा। छात्रों को प्रोत्साहित करने के

■ दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने यह आदेश जारी किया।

लिए उन्हें प्रमाण पत्र देने पर भी विचार किया जाएगा।

दिल्ली के अंदर बड़े होटलों, कार्यस्थलों, निर्माण स्थलों और हवाई अड्डों को प्रदूषण नियंत्रण के लिए उपाय करने का प्रावधान करना होगा।

दिल्ली में बंजर पड़ो भूमि पर पौधारोपण करने का काम किया जाएगा, ताकि प्रदूषण को कम किया जा सके।

समय पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) गया था। करार के अनुसार, बिल्डर द्वारा परिव्रादी को 31 जुलाई, 2019 को प्लैट का कब्जा सौंपा जाना था, लेकिन बिल्डर ने परिव्रादी को नियत समय तक कब्जा नहीं सौंपा। इस पर परिव्रादी ने बिल्डर को कई बार लिखित नोटिस दिए, लेकिन बिल्डर ने न तो कब्जा सौंपा और न जमा राशि ही लौटाई। इस पर परिव्रादी की ओर से उपभोक्ता आयोग में परिव्रादी पेश कर कहा गया कि उसने बिल्डर को 26.21 लाख रुपए अग्रिम और होम लोन के ब्याज के तौर पर बैंक को 5.27 लाख रुपए का भुगतान किया है। इसके अलावा, प्लैट के अन्य मर्दों पर भी खर्च हुआ है। इसलिए उसने जमा राशि दिलाने और मानसिक संताप के तौर पर मुआवजा राशि दिलाने की गुहार की। याचिका पर सुनवाई करते हुए आयोग ने इसे बिल्डर का सेवा दोष और अनुचित व्यापार प्रथा मानते हुए हर्जाना लगाया है।

चतुर्थ श्रेणी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) करने के लिए समय मांगा। अदालत की ओर से समय देने के बावजूद राज्य सरकार की ओर से कोई भी वकील पेश नहीं हुआ। इस पर अदालत ने कहा कि आदेश के बाद भी राज्य सरकार ने यह नहीं बताया है कि याचिकाकर्ता वेतन क्यों रोका गया है। इसलिए याचिका निस्तारित कर राज्य सरकार को निर्देश दिया जाता है कि वह 15 दिन में प्रार्थी का बकाया वेतन दे। वही ऐसा नहीं होने पर प्रमुख स्वायत्त शासन सचिव संबंधित अफसरों का वेतन रोके। याचिका में कहा गया कि था कि राज्य सरकार ने बिना किसी कारण याचिकाकर्ता का वेतन दिर्सबर, 2023 से रोक दिया था। याचिकाकर्ता के पूछने पर भी वेतन रोकने का कारण नहीं बताया गया। याचिका में कहा गया कि उसका ढाई साल का बच्चा बीमार है और उसे रुपयों की जरूरत है।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गया था। करार के अनुसार, बिल्डर द्वारा परिव्रादी को 31 जुलाई, 2019 को प्लैट का कब्जा सौंपा जाना था, लेकिन बिल्डर ने परिव्रादी को नियत समय तक कब्जा नहीं सौंपा। इस पर परिव्रादी ने बिल्डर को कई बार लिखित नोटिस दिए, लेकिन बिल्डर ने न तो कब्जा सौंपा और न जमा राशि ही लौटाई। इस पर परिव्रादी की ओर से उपभोक्ता आयोग में परिव्रादी पेश कर कहा गया कि उसने बिल्डर को 26.21 लाख रुपए अग्रिम और होम लोन के ब्याज के तौर पर बैंक को 5.27 लाख रुपए का भुगतान किया है। इसके अलावा, प्लैट के अन्य मर्दों पर भी खर्च हुआ है। इसलिए उसने जमा राशि दिलाने और मानसिक संताप के तौर पर मुआवजा राशि दिलाने की गुहार की। याचिका पर सुनवाई करते हुए आयोग ने इसे बिल्डर का सेवा दोष और अनुचित व्यापार प्रथा मानते हुए हर्जाना लगाया है।

उत्तराखंड एवलांच से 50 मजदूर निकाले गए, 4 की इलाज के दौरान मौत

5 श्रमिक अभी भी लापता हैं जिनकी खोज जारी है

देहरादून, 01 मार्च। उत्तराखंड में माणा के पास भारी हिमस्खलन हादसे के दूसरे दिन शनिवार को 17 मजदूरों को रेस्क्यू किया गया। उन्हें सेना के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। अब तक कुल 50 श्रमिकों का रेस्क्यू किया जा चुका है। इनमें से चार ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। 5 मजदूर अब भी लापता हैं। सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ, एसडीआर और वायु सेना के बचाव दल पांच अन्य श्रमिकों को तलाश में युद्ध स्तर पर अभियान छेड़ रहे हैं। सेना के मुताबिक, तीन कंटेनरों का पता नहीं चल रहा है, वे भारी बर्फ के नीचे दबे हैं। उनकी खोज के लिए दिल्ली से जीपीआर रडार मंगाया गया है।

बचाव अभियान की मॉनीटरिंग कर रहे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को सुबह हवाई सर्वेक्षण किया और ज्योतिर्मठ में राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा की। इसके बाद, वे सीधे यूएसडीएमए के आपातकालीन परिचालन केंद्र पहुंचे। मुख्यमंत्री ने शासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बचाव अभियान को लेकर चर्चा की। वे

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बचाव कार्य की निगरानी कर रहे हैं, उन्होंने घटना स्थल का हवाई सर्वे किया।

मोडिया से भी मुखातिब हुए। उन्होंने कहा कि सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फोन पर अपडेट लिया और हरसंभव मदद का भरोसा दिया। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी श्रमिकों की सुरक्षित निकासी के लिए चिंतित हैं और अपडेट ले रहे हैं। सीएम के मुताबिक, अब तक 50 श्रमिकों को बचा लिया गया है। पांच श्रमिकों की खोजबीन के लिए युद्धस्तर पर रेस्क्यू अभियान संचालित किया जा रहा है।

सीएम ने कहा कि पांच कंटेनरों को ट्रेस कर श्रमिकों को सुरक्षित निकालने में राहत और बचाव दलों को सफलता मिली है। अत्यधिक बर्फ होने के कारण तीन कंटेनर ट्रेस नहीं हो पा रहे हैं। आर्मी, आईटीबीपी द्वारा इन कंटेनरों का पता लगाने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। कंटेनरों ने तलाश के लिए आर्मी

के स्निफर ड्राग्स को तैनाती की गई है। सेना की तीन टीमों द्वारा सचन पेट्रोलिंग की जा रही है। दिल्ली से सेना का ग्राउंड पेनीट्रेशन रडार (जीपीआर रडार) मंगाया गया है, जो बर्फ के अंदर कंटेनरों को ट्रेस करने में मदद करेगा। हवाई सर्वेक्षण के बाद सीएम ने कहा कि वहां भारी बर्फबारी हो रही है तथा छह से सात फीट तक बर्फ जमा है। आने वाले दिनों में हिमस्खलन की संभावना के दृष्टिगत जिन स्थानों में श्रमिक कार्य कर रहे हैं, वहां से उन्हें सुरक्षित स्थानों पर भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

प्र.मंत्री ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) गया था। 2023 में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने "सूफी सन्नाद महा अभियान" के अन्तर्गत, एक कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसमें 100 से अधिक दरगाहों से आये करीब 200 सूफी शामिल हुये थे। उस समय, भाजपा ने भारत के 22 राज्यों में सूफियों तक पहुंचाने के लिये विभिन्न कमटियों भी गठित की थीं।

'आप इस स्थिति में नहीं...'

(प्रथम पृष्ठ का शेष) के राष्ट्रपति के एक्शन से ज्यादा महत्वपूर्ण है। अमेरिका को जो बात अच्छा देश बनाती है, वह यह है कि अमेरिका कूटनीति पर चल रहा है। राष्ट्रपति ट्रम्प यही कर रहे हैं। इस पर जैलेंस्की ने कहा क्या वे एक सवाल पूछ सकते हैं, वैसे ने कहा "हां जरूर।"

जैलेंस्की ने कहा, ओ के। उन्होंने (पुतिन) यूक्रेन के एक बड़े भाग, पूर्व के भाग और क्रीमिया पर कब्जा कर लिया है। पुतिन ने 2014 में इस पर कब्जा किया था इतने सालों में, मैं बाइडन के बारे में बात नहीं कर रहा, पर उस समय ओबामा थे, फिर ट्रम्प आए और फिर बाइडन आए और फिर ट्रम्प आए हैं और अब ट्रम्प उन्हें रोकेंगे। पर 2014 में किसी ने उन्हें नहीं रोका, उन्होंने हमारी जमीन पर कब्जा कर लिया, लोगों को मारा।"

जैलेंस्की ने कहा, हां 2014 से 2022 तक स्थिति एक जैसी थी। लोग कॉन्ट्रैक्ट लाइन पर मर रहे थे। किसी ने भी उन्हें नहीं रोका। आपको पता है हमने उनसे बात की थी, बहुत चर्चा हुई, हमने उनसे डील की थी। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रो और जर्मनी की पूर्व चांसलर मर्केल ने सीज फायर पर साइन किए थे। पर उसके बाद पुतिन ने सीज फायर तोड़ दिया। हमारे लोगों को मारा, बंदियों का आदान-प्रदान नहीं किया। हमने इस पर डील की थी, पर उन्होंने नहीं किया। वे डी आप ये कैसी कूटनीति की बात कर रहे हैं, आपका क्या मतलब है।"

वैसे ने कहा, "मैं उस कूटनीति की बात कर रहा हूँ, जिससे आपके देश का विनाश रुक जाय" तो जैलेंस्की ने कहा, "हालांकि अगर आप----" लेकिन वैसे बीच में ही बोले, मिस्टर प्रेसिडेंट, मैं पूरे सम्मान के साथ कह रहा हूँ मुझे ऐसा लग रहा है कि ओबेल ऑफिस में आकर अमेरिकन मीडिया के सामने विवाद खड़ा करना अपमानजनक है। अभी आप प्रश्न भर्ती किए गए सैनिकों को सीमा पर भेज रहे हैं क्योंकि आपके पास मैन पावर कम है आपको राष्ट्रपति का धन्यवाद करना चाहिए।

इडप के बीच में जैलेंस्की ने वैसे से कहा "क्या आपने कभी यूक्रेन जाकर वहां के लोगों की समस्याएँ देखी हैं उनका पक्ष सुना है। और मैं जानता हूँ, जब आप लोगों को प्रचार यात्रा पर ले जाते हैं तो क्या होता है।"

वैसे ने कहा "क्या आप इस बात से असहमत हैं कि अपनी सेना में लोगों को लाने में आपको समस्या हुई है, और आपको लगता है कि क्या यह ठीक है कि आप संयुक्त राज्य अमेरिका के डॉनल्ड ट्रंप के साथ अपने विवाद के लिए माफी मांगने से मना कर दिया। उन्होंने फॉक्स न्यूज से कहा, "मुझे नहीं लगता कि हमने कुछ गलत किया है," उन्होंने हालांकि कहा कि वे चाहते थे कि यह बातचीत पत्रकारों के सामने न होती। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन और अमेरिका के बीच रिश्ते अभी भी सुधार जा सकते हैं। यू.एस.-यूक्रेन संबंध 'दो राष्ट्रपतियों से अधिक है,' यूक्रेन को रूस के खिलाफ संघर्ष में वाशिंगटन की मदद की सख्त जरूरत है।

जैलेंस्की व ट्रम्प ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) ट्रंप ने हमेशा की तरह गलत जानकारी फैलाने की पूरी कोशिश की थी। जब ट्रंप यह कह रहे थे कि केवल अमेरिका ने यूक्रेन को पैसे और हथियार दिए हैं, तो फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने उन्हें बीच में रोकते हुए उनकी जानकारी को सही किया।

उस बैठक के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री का सार्वजनिक रूप से अपमान किया और तंज करते हुए पूछा, क्या ब्रिटेन अकेले रूसियों का सामना कर सकता है। अमेरिका की यात्रा पर आए ब्रिटिश

ओबेल ऑफिस में आकर उस प्रशासन पर हमला करें, जो आपके देश के विनाश को रोकने की कोशिश कर रहा है? इस पर जैलेंस्की ने कहा, "युद्ध के दौरान हर किसी को समस्याएं होती हैं, यहां तक कि अमेरिका को भी।"

जैलेंस्की ने कहा, आपके पास अच्छे समाधान हैं और अभी आप महसूस नहीं करते, लेकिन आप इसे भविष्य में महसूस करेंगे।" इस पर ट्रंप भड़क गए और बोले, आप नहीं जानते। हमें मत बताइए कि हम क्या महसूस करेंगे। हम एक समस्या हल करने की कोशिश कर रहे हैं।" इस पर जैलेंस्की ने कहा, मैं आपको नहीं बता रहा, मैं जबब दे रहा हूँ।"

फिर ट्रंप ने अपनी आवाज ऊंची की और कहा, आप हमें नहीं बता सकते, हम क्या महसूस करेंगे। हम बहुत अच्छा और बहुत मजबूत महसूस करेंगे। आप अभी बहुत अच्छी स्थिति में नहीं हैं। आपने खुद को बहुत बुरी स्थिति में डाल दिया है।" चूंकि जैलेंस्की उन्हें बीच में रोकने की कोशिश कर रहे थे तो ट्रंप बोले, "आप लाखों लोगों की जान के साथ जुआ खेल रहे हैं, आप तीसरे विश्व युद्ध के साथ जुआ खेल रहे हैं और जो आप कर रहे हैं, वह इस देश के लिए बहुत अपमानजनक है।" वैसे ने जैलेंस्की से पूछा कि क्या उन्होंने एक बार भी धन्यवाद कहा है।"

इस बहस के बाद डॉनल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि वोलोडिमिर जैलेंस्की "बापस आ सकते हैं।" आज वाइट हाउस में हमारी एक बहुत महत्वपूर्ण बैठक हुई। बहुत कुछ सीखा गया, जो इतने भारी दबाव में हुई वार्ता के बिना कभी समझ नहीं जा सकता था। यह अद्भुत है कि भावनाओं के माध्यम से क्या निकलता है, और मुझे लगता है कि राष्ट्रपति जैलेंस्की शांति के लिए तैयार नहीं हैं, अगर अमेरिका शामिल है। क्योंकि उन्हें लगता है कि हमारी भागीदारी उन्हें बातचीत में एक बड़ा फायदा देती है।"

हालांकि, वोलोडिमिर जैलेंस्की ने डॉनल्ड ट्रंप के साथ अपने विवाद के लिए माफी मांगने से मना कर दिया। उन्होंने फॉक्स न्यूज से कहा, "मुझे नहीं लगता कि हमने कुछ गलत किया है," उन्होंने हालांकि कहा कि वे चाहते थे कि यह बातचीत पत्रकारों के सामने न होती। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन और अमेरिका के बीच रिश्ते अभी भी सुधार जा सकते हैं। यू.एस.-यूक्रेन संबंध 'दो राष्ट्रपतियों से अधिक है,' यूक्रेन को रूस के खिलाफ संघर्ष में वाशिंगटन की मदद की सख्त जरूरत है।

THE HOTTEST DEALS BEFORE THE SUMMER

Delightful offers on the entire TATA Motors range only till 31st Mar'25

SAFARI

Price Starts at **₹15.49Lakh**

- Powerful 2.0L KRYOTECH Diesel Engine
- ADAS - Level 2+ with 21 Features*
- Built On Legendary Land Rover Pedigree
- 31.24 cm HARMAN™ Infotainment with Arcade App Store
- 10 Speaker JBL(TM) Music system with JBL Audio modes

HARRIER

Price Starts at **₹14.99Lakh**

- Powerful 2.0L KRYOTECH Diesel Engine
- ADAS - Level 2+ with 21 Features*
- Built On Legendary Land Rover Pedigree
- 31.24 cm HARMAN™ Infotainment with Arcade App Store
- 10 Speaker JBL(TM) Music system with JBL Audio modes

Avail Benefits up to **₹75,000***

Up to 100% On-road Financing*

Zero Processing Fees

TECHWHEELS :
JAGATPURA : 7506023175,
MANSAROVAR EXT. : 7045288538,
SHAHUPURA : 7506023175, TONK : 7506023175,
PAOTA : 7506023175, NIWAI : 7506023175.

PRATAP NEXGEN :
GOPALPURA,
TONK ROAD : 9167104018,
KALWAR : 9251997742,
JOBNER : 9251997742.

SHREE SHYAM MOTORS :
MANSAROVAR : 9167276401,
SIKAR ROAD : 7506023263,
CHOMU : 7506023263,
KOTPUTLI : 7506023263.

ROSHAN MOTORS :
RAJA PARK : 9619087477,
AJMER ROAD : 7506023244,
BAGRU : 7506023244,
CHAKSU : 9619087477.

AKAR FOUR WHEELS :
VAISHALI NAGAR : 7506023152,
BANDIKUI : 7506023152,
DAUSA : 7506023152,
LALSOT : 7506023152.

AUTOPLEX AV :
SITABARI, TONK ROAD : 7506023155,
BASSI : 7506023155, DUDU : 7506023155,
MALPURA : 7506023155,
RENEWAL : 7506023155.

Images and Illustrations are indicative and for information purposes only. All features/specifications are not available in all variants and may vary for different variants. Specifications/features are subject to change without prior information. Colours may vary due to printing limitations. *Benefits up to differs from model to model and is inclusive of consumer offer, exchange bonus and maximum corporate offer. #Advanced Driver Assistance System applicable in selected Model & Variants only. ADAS with Adaptive Cruise Control in AT only. **Price mentioned is Harrier and Safari Smart MT, ex-showroom Delhi Local taxes extra. Offers valid till 31st March '25. Terms and Conditions apply. 12300953